सुविचार
हम जीवन के बारे में सिर्फ सकारात्मक पहलुओं से ही नहीं, बल्कि नकारात्मक पहलुओं से भी सीखते हैं।
-अंतोन चेखव

Daily THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Saturday, 08 February 2025 ● Year : 03 ● Issue : 26 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com | E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12
Khushi Kapoor Says She Has...

SHARE

सेंसेक्स	:	77,860.19
निफ्टी	:	23,559.95

SARAFA

सोना	:	8,110
चांदी	:	107.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

मैट्रिक और इंटर परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी

RANCHI : झारखंड एकेडेमिक काउंसिल (जैक) ने मैट्रिक और इंटर परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी कर दिया है। एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए वेबसाइट का उपयोग किया जा सकता हैं। बताते चलें कि जैक के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. नटवा हांसदा ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे समय पर सभी परीक्षार्थियों को एडमिट कार्ड उपलब्ध कराएं। स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि वे 3 दिनों के अंदर सभी विद्यार्थियों को एडमिट कार्ड दे दें। मैट्रिक और इंटर की परीक्षा 11 फरवरी से शुरू होगी। परीक्षा की तैयारी पूरी कर ली गई है। स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि वे परीक्षा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करें।

बरेली में मांझा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 3 के चीथड़े उड़े

BAREILLY : बरेली में मांझा फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। फैक्ट्री मालिक का हाथ कटकर 5 फीट दूर जा गिरा। दो मजदूरों के चीथड़े उड़ गए। हादसा इतना भीषण था कि फैक्ट्री की दीवार ढह गई। आसपास का इलाका थर्रा गया। लोगों को लगा कि भूकंप आया है। डरकर बाहर निकले तो हादसा देखकर कांप गए। किसी का हाथ तो किसी का पैर कटकर अलग हो गया था। फैक्ट्री मालिक अतीक रजा (45) और मजदूर सरताज (24) की मौत हो गई थी। मजदूर फैजान (29) तड़प रहा था। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। हादसा किला थाना के बाकरगंज मोहल्ले में शुक्रवार सुबह हुआ। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में मांझे के लिए शीशे की ग्राइंडिंग का काम चल रहा था, तभी अचानक से ब्लास्ट हुआ। सरताज की मौसी गुड़िया ने बताया– कारखाने में सुबह मांझे के शीशे की ग्रांड के साथ एक धमाका हुआ। हम लोग डर गए।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में सीबीआई की याचिका मंजूर

KOLKATA : शुक्रवार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने आरजी कर रेप–मर्डर केस से जुड़े मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका खारिज कर दी और सीबीआई की याचिका स्वीकार कर ली। दोनों ने दोषी संजय रॉय को निचली अदालत से मिली आजीवन कारावास की सजा को चुनौती दी थी। दोनों याचिकाओं में संजय के लिए मृत्युदंड की मांग की गई थी। जस्टिस देबांगसु बसाक और एमडी सब्बार रशीदी की बेंच ने बंगाल सरकार से कहा कि राज्य सरकार के पास सजा–ए–मौत देने की मांग का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने सीबीआई के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि वह अभियोजन एजेंसी थी, इसलिए उसे सजा की अवधि को चुनौती देने का अधिकार है। सियालदह कोर्ट ने संजय रॉय को 20 जनवरी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। 27 जनवरी को हुई सुनवाई कलकत्ता हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। आरजी कर हॉस्पिटल में 8–9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप–मर्डर हुआ था।

विवाह की सालगिरह पर कामाख्या मंदिर पहुंचे हेमंत-कल्पना

शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने अपने विवाह की सागिरह पर असम में विश्व प्रसिद्ध प्राचीन मां कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की। मां से सबको सुखी, समृद्ध और स्वस्थ जीवन प्रदान करने की कामना की।

विधानसभा की मतदाता सूची से झारखंड में कराया जाएगा शहरी निकाय चुनाव

अदालत में अब 12 सप्ताह बाद होगी इस मामले की अगली सुनवाई

PHOTON NEWS RANCHI : पिछले लंबे समय से झारखंड में कार्यकाल खत्म होने के बाद भी नगर निकाय के चुनाव नहीं हुए हैं। इसे लेकर पिछले कई महीनो से हाई कोर्ट में मामला चल रहा था। अब इस मामले में शुक्रवार को हाई कोर्ट नाम महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। पूर्व पार्षद रोशनी खलखो बनाम झारखंड सरकार मामले में सुनवाई हुई, जिसमें अदालत ने राज्य निर्वाचन आयोग को विधानसभा चुनाव की वोटर लिस्ट के आधार पर निकाय चुनाव कराने का आदेश दिया।

हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद राज्य निर्वाचन आयोग को दिया आदेश

पूर्व पार्षद रोशनी खलखो और अन्य ने दाखिल की है याचिका

वोटर लिस्ट अपडेट करने में देरी

यह मामला तब सामने आया था, जब राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों द्वारा निकाय चुनाव के लिए वोटर लिस्ट अपडेट करने में देरी की गई थी। इसके खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। अब कोर्ट के आदेश के बाद, विधानसभा चुनाव की वोटर लिस्ट के आधार पर निकाय चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी।

दायर हुई थी अवमानना रिट

इस मामले की सुनवाई न्यायाधीश जस्टिस आनंदा सेन की अदालत में हुई। अदालत ने चार जनवरी को दिए गए आदेश में तीन हफ्ते के भीतर चुनाव कराने के आदेश से संबंधित अवमानना याचिका दायर की थी। इस मामले में प्रार्थी की ओर से विनोद सिंह ने पक्ष रखा। अदालत के आदेश के आलोक में केंद्रीय चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि 7 जुलाई 2024 को प्रकाशित वोटर लिस्ट ही अप टू डेट वोटर लिस्ट मानी जाएगी, जो विधानसभा चुनाव के लिए उपयोग की गई थी।

राधाकृष्ण ने केंद्रीय फाइनेंस मिनिस्टर सीतारमण से की मुलाकात

झारखंड के वित्त मंत्री ने केंद्र से मांगा 1.36 लाख करोड़ बकाया

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और कोयला मंत्री किशन रेड्डी से मुलाकात की। इस दौरान, उन्होंने राज्य के कोयला उत्खनन क्षेत्र में 1.36 लाख करोड़ रुपये की बकाया राशि के भुगतान के लिए केंद्र से लिखित अनुरोध किया। उन्होंने लिखा है कि हमारे राज्य में सूखा पड़ने के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था काफी कमजोर हो चुकी है। हमारी सरकार आधी आबादी के सशक्तीकरण, कृषि क्षेत्र और दूध उत्पादन, मछली पालन, पशुपालन और बागवानी की योजना बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना चाहती है। झारखंड के समुचित विकास के लिए 1.36 लाख करोड़ रुपये की बकाया राशि की उपलब्धता से राज्य को मदद मिलेगी।

कहा- सूखा पड़ने के कारण राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था हुई कमजोर

आर्थिक मदद के संदर्भ में दिया तर्क

झारखंड राज्य के लिए आर्थिक सहायता के संदर्भ में स्मार पत्र में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बताया कि राज्य का गठन 2000 में हुआ था। लेकिन, उसके बाद से सामाजिक–आर्थिक विकास की दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई है। इसके अलावा केंद्र सरकार के द्वारा झारखंड को प्राप्त होने वाली सहायता अनुदान की राशि में वर्ष–वार कमी होती गई है। 2019–20 में 12302.67 करोड़ रुपये, वर्ष 2020–21 में 11993.31 करोड़ रुपये, वर्ष 2021–22 में 10666.85 करोड़ रुपये, 2022–23 में 10893.54 करोड़ रुपये, 2023–24 में 9146.26 करोड़ और 2024–25 में 16961.35 करोड़ की राशि के विरुद्ध दिसंबर 2024 तक झारखंड को मात्र 4808.89 करोड़ रुपये ही प्राप्त हुए।

- केंद्र से मिलने वाले अनुदान में भी की गई है कटौती
- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी पिछले साल प्रधानमंत्री को लिखा था पत्र

केंद्रीय कोयला मंत्री किशन रेड्डी से भी मिले राधाकृष्ण किशोर

पीएम को लिखे लेटर की जानकारी

पत्र में ये भी बताया गया है कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 23 सितंबर 2024 को पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री से बकाया राशि के भुगतान के लिए संबंधित विभाग को निर्देश देने का आग्रह किया था। इसलिए कोल कंपनी द्वारा 1,36,042 करोड़ रुपये उपलब्ध कराने की दिशा में शीघ्र कार्रवाई की जाए।

टीम गठित करने का दिया निर्देश

किशन रेड्डी ने कोयला मंत्रालय की अपर सचिव को निर्देश दिया है कि वे झारखंड और केंद्र के खनन मंत्रालय के अधिकारियों की एक टीम गठित करें। टीम को बकाया की सही राशि की गणना करने के लिए एक बैठक करने की जिम्मेदारी दी गई, ताकि कोयला उत्खनन से संबंधित बकाया जल्दी से चुकता किया जा सके।

राजस्व का मुख्य स्रोत खान-खनिज

राधाकृष्ण ने निर्मला सीतारमण को दिए पत्र में लिखा है राज्य के राजस्व की निर्भरता का मुख्य स्रोत खान-खनिज है। कोल उत्खनन प्रक्षेत्र में धुले कोयले की रॉयल्टी का बकाया 2900 करोड़, किसी भी कंपनी की पर्यावरण मंजूरी सीमा तक पहुंच में उत्खनित खनिज की कीमत पर बकाया 32,000 करोड़ और भूमि अधिग्रहण संबंधी बकाया 1.01,142 करोड़ है। कुल मिलाकर 1,36,042 करोड़ बकाया है।

चुनाव परिणाम के एक दिन पहले केजरीवाल के घर पहुंची एसीबी

NEW DELHI @ PTI : शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी मेंउस समय राजनीतिक गहमागहमी बढ़ गई, जब भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की एक टीम आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के 5, फिरोजशाह रोड स्थित आवास पर पहुंची। इससे एक दिन पहले ही केजरीवाल ने भाजपा पर आठ फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों से पूर्व पार्टी के 16 उम्मीदवारों को खरीदने का प्रयास करने का आरोप लगाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि आप उम्मीदवारों को पाला बदलने पर भाजपा की ओर से मंत्री पद और 15-15 करोड़ रुपये मिलने का प्रस्ताव मिला है। बता दें कि दिल्ली की 70 विधानसभा सीट के लिए पांच फरवरी को मतदान हुआ था और नतीजे शनिवार को घोषित किए जाएंगे। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं के आरोपों की जांच एसीबी से कराने के आदेश दिए। हालांकि, स्थिति तब तनावपूर्ण हो गई, जब आप नेताओं ने एसीबी अधिकारियों को केजरीवाल से मिलने से रोक दिया और उन पर भाजपा के प्रभाव में काम करने का आरोप लगाया।

- दिल्ली के पूर्व सीएम ने अपने 16 उम्मीदवारों को खरीदने का लगाया था आरोप
- कहा– पाला बदलने पर भाजपा की ओर से मंत्री पद और 15–15 करोड़ रुपये देने का मिला प्रस्ताव
- 5 फरवरी को हुई थी दिल्ली विधानसभा के लिए वोटिंग, आज होगी काउंटिंग

भाजपा का एक राजनीतिक हथकंडा

नसियार ने कहा, हमने उन्हें (एसीबी अधिकारियों) केजरीवाल के आवास में प्रवेश करने और उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी है। जब हमने पूछा कि वे यहां क्यों आए हैं, तो उन्होंने कहा कि उन्हें केजरीवाल से शिकायत लेने के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा, आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह पहले ही शिकायत दर्ज कराने के लिए एसीबी के कार्यालय पहुंच चुके हैं। वे (एसीबी अधिकारी) बस फोन पर किसी और से आदेश ले रहे हैं। यह भाजपा का एक राजनीतिक हथकंडा मात्र है। सिंह ने आरोप लगाया कि 16 से ज्यादा आप उम्मीदवारों से संपर्क कर उन्हें पार्टी से अलग करने की कोशिश की गई है। राज्यसभा सदस्य ने कहा, हमने पहले ही एक ऐसे मामले का फोन नंबर जारी कर दिया है और अब हम शिकायत दर्ज कराने जा रहे हैं। जांच के दौरान सभी विवरण सामने आ जाएंगे। मैं भाजपा को चुनौती देता हूं कि कम से कम एक के खिलाफ कार्रवाई करके दिखाए।

वापसी : उत्तरी-पश्चिमी हवाओं के कारण ठंड में फिर से हो गई है बढ़ोतरी

रांची में अचानक चार डिग्री गिर गया तापमान

10 फरवरी से फिर टेंपरेचर के बढ़ने की शुरू हो जाएगी रफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : पिछले कुछ दिनों से राजधानी रांची सहित झारखंड के अन्य इलाकों में न्यूनतम और उच्चतम तापमान में बढ़ोतरी हुई थी। गुरुवार को इसमें अचानक कमी आई, जो शुक्रवार को भी जारी रही। शुक्रवार को राजधानी रांची के न्यूनतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, उत्तरी–पश्चिमी हवाओं के कारण ठंड में फिर से बढ़ोतरी हो गई है। यही वजह है कि एक ही दिन में तापमान में चार डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को जहां रांची में अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री था, वह शुक्रवार को बढ़कर 30 डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री के मुकाबले शुक्रवार को 12.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

अधिकतम तापमान में वृद्धि के कारण दिन में नहीं महसूस हुई अधिक सर्दी

उत्तरी हिस्से में हुई बर्फबारी का असर

इस संबंध में मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि देश के उत्तरी हिस्से में हुई बर्फबारी की वजह से आनेवाली ठंडी हवाएं रुक गईं थी, लेकिन अब ये हवाएं देश के मध्य वर्ती और पूर्वी हिस्सों में आ रही हैं, जिससे ठंड में बढोत्तरी हुई है। उन्होंने बताया कि 10 फरवरी से फिर से तापमान में बढ़ोतरी होगी। पिछले 24 घंटों में राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 35.4 डिग्री और सबसे कम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। शुक्रवार को जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 33 और न्यूनतम 16.5, बोकारो में 33.1 और 17.1, चाईबासा में 33.4 और 17.6 तथा देवघर में अधिकतम तापमान 32.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

महाकुंभ में फिर आग लगी, जले कई पंडाल हटाई गई भीड़

PRAYAGRAJ : शुक्रवार को महाकुंभ मेला क्षेत्र में फिर आग लग गई। इसमें कई पंडाल जल गए। आग इतनी तेज थी कि जब तक दमकल पहुंची तब तक पूरा पंडाल जल गया। हादसा सेक्टर–18 स्थित शंकराचार्य मार्ग पर हुआ। यहां संत हरिहरानंद का पंडाल बना है। सुबह करीब 11 बजे अचानक आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने के बाद सिलेंडर फटने जैसे धमाके हुए। मौके पर पहुंचे फायर फाइटर्स ने मोर्चा संभाला। अनाउंस करके भीड़ को हटाया। चारों तरफ बैरिकेडिंग की। करीब 40 मिनट में आग पर काबू पाया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने की वजह अभी तक क्लियर नहीं है। महाकुंभ में 20 दिन में आग लगने की यह तीसरी घटना है। इससे पहले, सेक्टर– 22 और सेक्टर 19 में आग लग चुकी है। चीफ फायर ऑफिसर प्रमोद शर्मा ने बताया कि आग इस्कॉन क्षेत्र में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। इससे 20 से 22 टेंट जल गए. हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई। दमकलकर्मियों ने त्वरित कार्रवाई कर आग को फैलने से रोक लिया। घटना की जानकारी मिलते ही उत्तरी झूसी के जोनल पुलिस ऑफिसर, एडिशनल एसपी सर्वेश कुमार मिश्रा, स्थानीय पुलिस और मेला मजिस्ट्रेट भी मौके पर पहुंचे।

- 40 मिनट में पाया गया आग पर काबू नहीं हुई कोई जनहानि

सेहत की चिंता बढ़ते वायु प्रदूषण की वजह से पैदा हो रही गंभीर स्थिति

धूम्रपान नहीं करने वालों में भी तेजी से फैल रहा लंग्स कैंसर

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : मेडिकल क्षेत्र में कई पारंपरिक बीमारियों की नई–नई परिस्थितियों और अनजाने किस्म के स्वरूप को लेकर वैज्ञानिक रिसर्च करते रहते हैं। आज के 20 साल पहले किसी बीमारी के जो कारण और लक्षण हुआ करते थे, उनमें परिवर्तन आ गया है। इसलिए इसमें नए–नए आयाम जुड़ते जा रहे हैं। दुनिया में आज की जानलेवा बीमारियों में कैंसर ही टॉप पर है। यह बीमारी किसी को किसी भी उम्र में कभी भी हो सकती है। लेकिन, इसके कारण अब नए–नए रूप में सामने आ रहे हैं। पारंपरिक रूप से मेडिकल क्षेत्र में यह समझा जाता है कि धूम्रपान करने वालों को ही लक्स का कैंसर होता है, लेकिन हाल के रिसर्च से यह पता चला है कि धूम्रपान नहीं करने वालों में भी तेजी से लंग्स कैंसर बढ़ने लगा है। यह सेहत के लिए अत्यंत चिंताजनक स्थिति है। इसके पीछे बढ़ता वायु प्रदूषण ही प्रमुख कारण है। जिसने कभी भी धूम्रपान नहीं किया, उसे भी लंग्स कैंसर होना वास्तव में आश्चर्यजनक लगता है।

द लैंसेट रेस्पिरेटरी मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में दी गई है विस्तृत जानकारी

साल 2022 में लंग्स कैंसर के 53 से 70% मामले धूम्रपान न करने वालों में पाए गए

- पाचन के लिए एंजाइम पैदा करने वाली ग्रंथियों से शुरू होती है यह बीमारी
- पुरुषों और महिलाओं को समान रूप से चपेट में ले रहा एडेनोकार्सिनोमा नामक रोग
- अंतरराष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी के वैज्ञानिकों ने लंग्स कैंसर के बताए हैं चार उप प्रकार

इमेजिंग परीक्षणों के माध्यम से ट्यूमर के आकार और स्थिति की मिलती है जानकारी

प्रारंभ में नहीं दिखाई पड़ते लक्षण

सामान्य रूप से देखा जाता है कि शुरूआत में फेफड़ों के कैंसर में अक्सर कोई लक्षण नहीं होते हैं। इसका पता केवल मेडिकल इमेजिंग से लगाया जा सकता है। जैसे–जैसे कैंसर बढ़ता है, ज्यादातर लोगों को श्वसन समस्याएं अनुभव होती हैं।

एयर पॉल्यूशन के संपर्क से बचना मुश्किल

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की अंतरराष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी (आईएआरसी) के वैज्ञानिकों ने चार उप प्रकारों एडेनोकार्सिनोमा (ग्रंथि कैंसर), स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (त्वचा कैंसर), छोटे और बड़े सेल कार्सिनोमा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर लंग्स कैंसर के मामलों का अनुमान लगाने के लिए ग्लोबल कैंसर ऑब्जर्वेटरी 2022 डेटासेट सहित अन्य डेटा का विश्लेषण किया। आईएआरसी में कैंसर निगरानी शाखा के प्रमुख फ्रेडी ब्रे ने कहा, धूम्रपान की आदतों में बदलाव और वायु प्रदूषण के संपर्क में आना लंग्स कैंसर के मुख्य निर्धारकों में से हैं। लंग्स कैंसर आज कैंसर से संबंधित मौतों के प्रमुख कारणों में से एक है। आज की स्थिति में एयर पोल्यूशन के संपर्क से बचाना अत्यंत मुश्किल है।

आरबीआई के नए गवर्नर ने दी जानकारी

पांच साल बाद 0.25 प्रतिशत घटी रेपो दर, मीटिंग में फैसला

MUMBAI @ PTI : स्वस्थ पड़ी अर्थव्यवस्था को गति देने के मकसद से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को लगभग पांच साल बाद प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया। रेपो दर घटने का मतलब है कि मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कमी आने की उम्मीद है। आरबीआई के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा ने छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बुधवार से शुरू तीन दिनों की बैठक में लिए गये निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि समिति ने आम सहमति से रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती का निर्णय किया है। इसके साथ, एमपीसी में अपने रुख को तटस्थ बनाये रखने पर सहमति बनी है। बता दें कि रेपो दर वह प्रमुख ब्याज है, जिसपर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं।

- सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए केंद्रीय बैंक ने उठाया कदम

ट्रक से टकराई यात्री गाड़ी, एक की मौत, 12 से अधिक घायल

सतबरवा थाना क्षेत्र में बकोरिया गांव के पास सुबह 4 बजे हुई दुर्घटना

AGENCY PALAMU :
पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र के बकोरिया गांव के पास शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे एक यात्री वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक लोग घायल हो गए। इनमें से पांच की हालत नाजुक बनी हुई है। मृतक की पहचान मजहर हुसैन के रूप में हुई है।

वहीं, गंभीर रूप से घायल असमीना बीवी, रानी खातून, सुहानी परवीन, गफ्फार हुसैन समेत अन्य घायलों का इलाज मनिका अस्पताल में किया गया। सभी घायल मनिका थाना क्षेत्र के रेवत गांव के रहने वाले हैं और एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन ● फोटोन न्यूज

जानकारी के अनुसार, सभी लोग पलामू जिले के लेस्लीगंज में कव्वाली सुनने गए थे और लौटते समय यह हादसा हो गया। बकोरिया पेट्रोल पंप के पास अचानक वाहन अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि यात्री वाहन पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायलों को मनिका अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टर उमेश और सत्येंद्र कुमार ने सभी का इलाज किया। इलाज के दौरान मजहर हुसैन की मौत हो गई, जबकि पांच घायलों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें रिम्स रेफर किया गया। प्रारंभिक जांच में यह चर्चा है कि वाहन चालक को झपकी आने के कारण यह दुर्घटना हुई। हादसे में कई घायलों को सिर व चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं, जिनमें कुछ बच्चे भी शामिल हैं। शेष घायलों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

वर्षों से लापता पिता मिला तो परिवार की भर आईं आंखें

KODERMA : जिले के मरकच्चो थाना क्षेत्र के ग्राम कादोडीह से पंद्रह वर्ष पूर्व प्रकाश महतो लापता हो गया था। काफी खोजबीन के बाद भी कहीं पता नहीं चला तो परिजन प्रकाश महतो की आस छोड़ चुके थे। लेकिन एकाएक मरकच्चो पुलिस ने शुक्रवार को जब प्रकाश महतो को उनके परिजनों से मिलाया तो वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें खुशी से भर आयीं। उनकी पत्नी गीता देवी के साथ पुत्र शूजल और पुत्री रानी की आंखें भर गईं । वे दोनों अपने पिता के हाथ को छोड़ ही नहीं रहे थे, जिस वक़्त प्रकाश महतो लापता हुआ था उस समय शूजल की उम्र महज तीन साल तथा रानी की उम्र मात्र तीन ही महीने थी। दोनों बच्चों ने बताया कि सिर्फ तस्वीरों में ही अपने पिता को देखा था। अचानक अपने पिता को सामने पाकर उनके चेहरे पर खुशी झलक रही थी।

एमआरएमसीएच में जवान को धक्का देकर कैदी फरार

PALAMU : प्रमंडलीय अस्पताल मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमआरएमसीएच) से हत्याकांड का एक कैदी फरार हो गया। कैदी सुरक्षा में तैनात जवान को धक्का देकर भाग निकला। घटना शुक्रवार की है। घटना के बाद जेल से लेकर अस्पताल महकमे में हड़कंप मच गया है। जेल से इस संबंध में कोर्ट को जानकारी दे दी गई है। फरार आरोपी की पहचान पाटन निवासी ऋषिकेश कुमार दुबे के रूप में हुई है। वह दिसंबर 2023 से हत्या के आरोप में जेल में बंद था। खांसी और सांस लेने में तकलीफ होने पर 30 जनवरी को उसे एमआरएमसीएच लाया गया था एवं इलाज किया जा रहा था। मेदिनीनगर सेंट्रल जेल के अधीक्षक भगीरथ करजी के अनुसार ऋषिकेश पिछले नौ दिनों से अस्पताल के कैदी वार्ड में इलाज करा रहा था। घटना उस समय हुई, जब वह सुबह के समय हाथ-मुंह धोने के लिए वार्ड के बाहर गया। कैदी वार्ड में पीने के पानी और हाथ-मुंह धोने की सुविधाएं गेट के बाहर होने के कारण, कैदियों को नियमित रूप से बाहर जाना पड़ता है। सुरक्षा में तैनात जवान दिनेश कुमार ने बताया कि कैदी वार्ड में पानी की सुविधा नहीं रहने के कारण कैदी ऋषिकेश को बाहर मुंह हाथ धोने के लिए निकाला गया था। इसी बीच वह उसे धक्का देकर फरार हो गया। कैदी वार्ड की सुरक्षा में दो जवानों की ड्यूटी रहती है।

फेरी दुकानदार के घर से सात लाख की चोरी

PALAMU : पलामू जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के हाई स्कूल रामगढ़ के सामने स्थित उपेन्द्र सोनी के घर में गुरुवार की रात चोरी हो गयी। चोरों ने बड़े आराम से घर की चाभी ढूंढकर प्रथम तल्ला के कमरों से सात लाख की संपत्ति गायब कर दी। इनमें चार लाख नगद, 20 ग्राम सोना और डेढ किलो चांदी शामिल है। शुक्रवार को इस संबंध में थाना में मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस जांच में जुटी है। उपेन्द्र सोनी फेरी करके व्यवसाय करते हैं। उपेन्द्र के अनुसार उसकी चचेरी बहन की शादी थी। परिवार के साथ गुरूवार की रात नौ बजे रामगढ में ही पुराने घर मुसरमो गए थे। इस घर और पुराने घर की दूरी तीन किलो मीटर है। रात ढाई बजे जब वापस घर पहुंचे तो देखा कि प्रथम तल्ला पर स्थित कमरे को खोला गया है और फिर आलमारी, बक्शा, गुलक आदि से संपत्ति निकाल ली गयी। उन्होंने पुलिस को बताया है कि चार लाख रूपए नगद, 20 ग्राम सोना और डेढ किलो चांदी की चोरी हुई है। पासबुक, फिक्सडिपोजिट पेपर सहित अन्य दस्तावेज गायब हैं। नीचे की खिड़की खोलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। किचन में रखे गए डब्बे से चाभी निकाल कर सारे कमरे और अलमारी, बक्शा आदि को खोलकर सारे सामान निकाले गए। उन्होंने आशंका जतायी है कि इस घटना को घर की स्थिति जानने वाले की मिलीभगत से अंजाम दिया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

खुली अलमारी

BRIEF NEWS

रामगढ़ के छह अंचलों में राजस्व शिविर आज से

RAMGARH : रामगढ़ जिले के सभी छह अंचलों में राजस्व शिविर का आयोजन आठ फरवरी को किया जाएगा। डीसी चंदन कुमार ने शुक्रवार को यह निर्देश जारी किया है। उन्होंने कहा है कि सभी छह अंचलों में दाखिल-खारिज संबंधित राजस्व शिविर के आयोजन के लिए सीओ एवं वरीय पदाधिकारियों को निर्देश दिए है। रामगढ़, दुलमी, चितरपुर, गोला, मांडू एवं पतरातू अंचल कार्यालय में शिविर का आयोजन होगा। इस सभी अंचलों में बिना आपत्ति 30 दिन और आपत्ति के साथ 90 दिन के दस डिसमिल तक के मामलों का निष्पादन किया जाएगा। इन सभी मामलों का अंचल निरीक्षक और कर्मचारी स्तर से भौतिक सत्यापन पूरा किया जा चुका है। उपायुक्त ने सभी छह अंचल अधिकारियों को पूर्व में उपलब्ध कराई गई सूची के अनुसार म्यूटेशन के मामलों के निष्पादन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि सूची में उपलब्ध कराए गए मामलों में से कोई मामला सीआई या कर्मचारी के लॉगिन में पाया गया तो उनपर नियम संगत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निष्पादित मामलों के आवेदकों को सूचित करते हुए शिविर में शुद्धि-पत्र निर्गत करने का निर्देश दिया है।

22 हजार छात्र देंगे मैट्रिक व इंटर की परीक्षा

SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले से इस बार करीब 22 हजार छात्र मैट्रिक व इंटर की परीक्षा देंगे। इसे लेकर उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में बैठक की, जिसमें पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत, जिला शिक्षा पदाधिकारी संतोष गुप्ता, कार्यपालक पदाधिकारी सतेंद्र महतो तथा सभी बीईईओ उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि झारखंड अधिविध परिषद द्वारा प्राप्त सूचना के अनुसार दसवीं की सैद्धांतिक परीक्षा 11 फरवरी से 3 मार्च तक होगी। प्रथम पाली सुबह 9.45 बजे से दोपहर 1 बजे तक) तथा इंटरमीडिएट (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) की सैद्धांतिक परीक्षा इसी दिन द्वितीय पाली में दोपहर 2 बजे से 5.15 बजे तक होगी। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि वार्षिक माध्यमिक परीक्षा संचालन के लिए 57 एवं इंटरमीडिएट कला, विज्ञान एवं वाणिज्य परीक्षा के लिए 41 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस वर्ष दसवीं में 12,800, जबकि इंटर परीक्षा में 10,004 छात्र परीक्षा देंगे। इसमें कला-6959, विज्ञान-2269 एवं वाणिज्य-776) शामिल हैं।

विद्यार्थियों ने किया कुल्लू-मनाली का सर्वेक्षण

KHUNTI : भूगोल विभाग, बिरसा कॉलेज, एमए सेमेस्टर 3 के 30 विद्यार्थियों ने अपने सेमेस्टर 3 के पाठ्यक्रम तहत 31 जनवरी से सात फरवरी तक मनाली क्षेत्र का सर्वेक्षण सह शैक्षणिक भ्रमण किया। कार्यक्रम का नेतृत्व भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो अनंत राम ने किया। यह क्षेत्र सर्वेक्षण कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष भूगोल विभाग के सेमेस्टर तीन के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जाता है। विभाग की ओर से देश के विभिन्न स्थानों का चयन किया जाता है। विद्यार्थियों ने कुल्लू, मनाली, सोलंग घाटी, अटल टनल, शिशु आदि स्थानों का भ्रमण और सर्वेक्षण किया। शैक्षणिक भ्रमण के नेतृत्वकर्ता प्रो अनंत राम ने शुक्रवार को बताया कि विद्यार्थियों ने भ्रमण क्षेत्र की स्थलाकृति विशेषता, जलवायु विशेषता, जलवायु परिवर्तन, बर्फबारी जैसी मौसमी घटनाओं का अध्ययन किया। क्षेत्र में मिट्टी अपरदन के प्रभाव के साथही वहां की वनस्पति, जीव जंतु की स्थिति को समझा।

यज्ञ से वातावरण होता है शुद्ध : डॉ. नीरा यादव

KODERMA : जिले के मरकच्चो प्रखंड के दक्षिणी पंचायत स्थित भोजपुर में शिव प्राण प्रतिष्ठा और मरकच्चो में हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ में शुक्रवार को कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने यज्ञ वेदी की परिक्रमा कर मत्था टेका। मत्था टेक उन्होंने विधान सभा क्षेत्र के लिए सुख समृद्धि की कामना की। मौके पर उन्होंने कहा कि यज्ञ करने से वातावरण शुद्ध होता है। वह स्थल भी शुद्ध हो जाता है जहां यज्ञ होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से यज्ञ में शामिल होकर पुण्य अर्जित करने की सलाह दी।

लातेहार में मिला जंगली हथिनी का शव, जांच जारी

हथिनी के पास लगी भीड़ ● फोटोन न्यूज

LATEHAR : जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत दूधीमाटी गांव के पास स्थित जंगल में शुक्रवार को एक जंगली हथिनी का शव बरामद हुआ। हालांकि हथिनी की मौत कैसे हुई इसकी पुष्टि अभी नहीं हो पा रही है। वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को कुछ ग्रामीणों ने जंगल में एक हथिनी को मरा हुआ देखा। स्थानीय लोगों के जरिये इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी गई। सूचना मिलने के बाद रेंजर नंदकुमार मेहता घटना स्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन किया। बाद में वन विभाग के वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक हथिनी के शव का पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर रही है।

आचार्य श्री के प्रथम समाधि स्मृति दिवस पर हुआ नित्य अभिषेक

RAMGARH : रामगढ़ शहर के मेन रोड स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में शुक्रवार को आचार्य भगवन श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की प्रथम समाधि स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम आचार्य श्री अंतिम समय में उनके साथ रहे मुनिश्री 108 पूज्य सागर जी महाराज एवं मुनिश्री 108 अतूल सागर जी ससंघ के परम सानिध्य में समाधि दिवस का आयोजन सकल दिगंबर जैन समाज रामगढ़ द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः नित्य अभिषेक और शांति धारा मुनिश्री के मुखारविंद से कराई गई।

गिरिडीह में साइबर ठगी करते 5 अपराधी किए गए गिरफ्तार

सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर करते थे फ्रॉड

AGENCY GIRIDIH :
पुलिस ने साइबर ठगी करते पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। शुकवार को पुलिस अधीक्षक डा विमल कुमार ने प्रेस वार्ता कर बताया कि पोर्टल पर प्राप्त सूचना के आधार पर जिले के गाण्डेय थाना क्षेत्र के केवी सहाय होल्ट के फूलजोरी और जमुआ थाना क्षेत्र के छोटकी खरगडीहा के देवाटाड़ के पास सभी पांचो साइबर ठगी कर रहे थे।

इसी दौरान पुलिस उपाधीक्षक (साइबर क्राइम) आविद खा के नेतृत्व में छापेमारी कर मौके से पांचों को गिरफ्तार किया । एसपी ने कहा कि पकड़े गये ठगों में गुलाम रसूल, उपेन्द्र कुमार, अजय मंडल, अमित राणा और मनीष शर्मा सभी गिरिडीह जिले के गाण्डेय एवं नवडीहा के रहने वाले है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से 20 सेट मोबाईल, 27 सिम सहित डाटा डाटा केबल, पावर बैंक बरामद की गई है।

एसपी ने कहा कि गिरफ्तार अपराधी पीएनबी, केनरा बैंक सहित अन्य बैंकों के फर्जी बैंक वालेट में सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देकर, लोन की रकम जमा कराने सहित अन्य हथकंडे अपनाकार ठगी करते थे।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

पुलिस से हथियार लूटने की कोशिश, तीन भेजे गए जेल

AGENCY PALAMU :
जिले के पाटन थाना क्षेत्र के किशुनपुर में सरस्वती पूजा प्रतिमा विसर्जन के बाद पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला किया। ओपी प्रभारी नीलेश कुमार के साथ दुर्व्यवहार करते हुए उनके हथियार लूटने और मूंछों को भी नोचने का प्रयास किया गया। इस संबंध में पाटन थाना में ओपी प्रभारी नीलेश कुमार के लिखित बयान पर पांच नामजद सहित करीब 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। इस मामले में बबलू मांझी, पिंटू पासवान, राकेश चौधरी उर्फ फंटूस चौधरी को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया गया। ओपी प्रभारी नीलेश कुमार को बुधवार की रात्रि करीब साढ़े दस बजे कुछ ग्रामीणों से सूचना मिली कि मिडिल स्कूल मैदान में मूर्ति विसर्जन के बाद कुछ लड़के अश्लील गाने बजा कर नाच गान कर रहे हैं। सूचना के बाद वे शस्त्रबल हवलदार करमा रजवार, आरक्षी श्रवण कुमार मेहता, उदय पासवान और चालक रविंद्र कुमार राम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस को देख कर नाचते युवाओं ने 10 मिनट बाद कार्यक्रम बंद करने की बात कही। 15 मिनट के बाद डीजे बंद हो गया। इसी क्रम में कुछ शरारती युवक वाहन पर चढ़ कर गाली देते हुए बोलने लगे कि जेनरेटर चालू करो। इस बीच मुन्ना पासवान, अंजय पासवान, राकेश चौधरी उर्फ फंटूस, बबलू मांझी, पिंटू पासवान सहित अन्य युवक पुलिस से उलझ गये और गाली-गलौज देते हुए मारपीट करने लगे। जवानों से हथियार छीनने का प्रयास किया गया।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

झामुमो ने चलाया सदस्यता अभियान

KHUNTI : झामुमो संयोजक मंडली खूंटी के सदस्यों ने शुक्रवार को जयपाल सिंह मुंडा चौक बाजार टांड़ खूंटी में सदस्यता अभियान चलाया। मौके पर कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता अभियान में राज्य सरकार के मंत्री चमरा लिंडा और खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा ने भी भाग लिया। इसके पूर्व खूंटी पहुंचने पर मंत्री चमरा लिंडा ने बिरसा कॉलेज परिसर स्थित भगवान बिरसा मुंडा की और जयपाल सिंह मुंडा चौक पर जयपाल सिंह मुण्डा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

डीसी साहब, अभी तक माफ नहीं हुआ कृषि ऋण...

LATEHAR : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण कार्यक्रम किया। इसमें केसीसी लोन माफी योजना को लेकर ग्राम सीमाखास, पोस्ट-कोटाम, थानाझगारू के निवासी मुनेश्वर महतो ने बताया कि कृषि ऋण माफी योजना के तहत अभी तक लोन माफ नहीं हुआ है। इस पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को जल्द से जल्द निष्पादित करने का निर्देश दिया। इसी प्रकार अन्य लोगों ने भी अपनी समस्याएं रखीं तथा लोगों से प्राप्त आवेदन के आलोक में उपायुक्त ने समस्या निदान के लिए त्वरित कार्रवाई का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी समस्या उपायुक्त के समक्ष रखी। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एकझएक कर उनकी समस्या सुनी व आश्वासन दिया कि उनकी सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जांच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा। आज 17 आवेदन प्राप्त हुए, जो मुख्य रूप से मुआवजा, विकलांग वाहन निर्गत करने, पेंशन आदि से संबंधित थे। इस दौरान कुछ आवेदकों की समस्या का निष्पादन ऑन द स्पॉट किया गया। शेष आवेदकों की समस्या को यथाशीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया।

बुजुर्ग की बात सुनते डीसी उत्कर्ष गुप्ता

शिक्षा के आधार पर फील्ड की जगह टीसी व टीटी सहित ऑफिस में भी दे सकती हैं सेवा

ट्रैक मेंटेनर व असिस्टेंट लोको पायलट महिलाएं बदल सकेंगी विभाग

PHOTON NEWS JSR :
रेलवे में ट्रैक मेंटेनर और असिस्टेंट लोको पायलट के पद पर काम कर रही महिला रेलकर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। वे अब अपनी पसंद के अनुसार विभाग बदल सकेंगी। यह मौका पूरी नौकरी के दौरान केवल एक बार मिलेगा। महिलाओं को विभाग बदलने का अवसर देने से कार्यस्थल पर संतुष्टि एवं उत्पादकता को बढ़ावा मिलेगा। बोर्ड के आदेश पर काम शुरू होने से रेलवे ट्रैक पर कुदाल चलाने वाली शिक्षित महिला कार्यालय में काम कर सकेंगी। यात्रियों को टिकट देने के साथ जांच भी करेंगी।

इस सबंध में अक्टूबर 2023 में महिला ट्रैकमैन और रनिंगकर्मियों को विभाग बदलने का अवसर देने का आदेश हुआ था, लेकिन जोन में लागू नहीं हो सका। इससे रेलवे बोर्ड से नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवे के महासचिव डॉ. एम रघुवैया को पत्र भेजा गया है, ताकि महिला ट्रैकमैन व सहायक लोको पायलट के साथ ट्रेन मैनेजर को सुविधा का लाभ देने पर वार्ता हो सके। जल्द ही रेलवे बोर्ड के अधिकारियों और एनआईआरएफ के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता होगी, ताकि जमीनी स्तर पर इसे लागू किया जा सके।

● प्रतीकात्मक फोटो

रेलवे द्वारा विभाग बदलने के अवसर का लाभ दक्षिण पूर्व जोन के चार मंडलों के 315 स्टेशनों पर 2 500 से अधिक महिला ट्रैकमैन को मिलेगा।

महिला रेलकर्मियों की सुरक्षा, सुविधा और विकास को ध्यान में रखकर रेलवे बोर्ड से यह आदेश हुआ है। महिला रेलकर्मी अपने कौशल एवं रुचि के अनुसार विभाग का चयन कर सकती हैं।

टाटा-हटिया आज और टाटा-बिलासपुर कल भी रहेगी रद्द

JAMSHEDPUR : आद्रा रेल मंडल के बरबेंद स्टेशन पर विकास कार्यो और एनई और प्रीएनई वर्क के कारण ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होगा। इसके कारण टाटानगर से चलने वाली कई ट्रेनें रद्द की गई हैं। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर-18601/18602 टाटा-हटिया-टाटा एक्सप्रेस 8-9 फरवरी और ट्रेन नंबर- 18114 बिलासपुर-टाटा एक्सप्रेस 8 फरवरी को रद्द रहेगी। वहीं ट्रेन नंबर- 18113 टाटा-बिलासपुर एक्सप्रेस 8-9 फरवरी के बीच रद्द रहेगी। इसके कारण पूर्व से टिकट कराए सैकड़ों यात्रियों को परेशानी होगी। वहीं पार्सल बुक कराए लोगों को भी परेशानी होगी।

ज्ञात हो कि इन दिनों देश भर के साथ चक्रधरपुर, आद्रा व खड़गपुर रेल मंडल में रेलवे ट्रैक के साथ-साथ स्टेशनों के सौंदर्यीकरण का काम तो हो ही रहा है, पहुंच पथ, ओवरब्रिज व अंडरब्रिज सहित कई आधारभूत संरचनाओं का निर्माण भी तेज गति से चल रहा है। इसकी वजह से समय-समय पर आवश्यकतानुसार ट्रेनों का परिचालन बाधित किया जा रहा है। हालांकि, इसकी वजह से रेलवे को तब राजस्व का नुकसान होता है, जब यात्री अपनी यात्रा रद्द कराते हैं। उन्हें टिकट के पैसे रेलवे को लौटाने पड़ते हैं।

पुलिस ने अफीम की फसल को किया नष्ट

KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर खूंटी जिले के विभिन्न प्रखंडों में जिला प्रशासन की ओर शुक्रवार को अभियान चलाकर अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया गया। इस अभियान के दौरान ट्रैक्टर और अन्य संसाधनों की मदद से बड़ी मात्रा में अवैध फसल नष्ट की गई। इस कार्रवाई में अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, प्रतिनियुक्त पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। प्रशासन की ओर से स्थानीय लोगों को अवैध अफीम की खेती से होनेवाले कानूनी और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा उन्हें वैकल्पिक और लाभकारी खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। उल्लेखनीय है कि इसी प्रकार से छह फरवरी को हुए कार्रवाई में विभिन्न प्रखंड में 213 एकड़ भूमि में लगी अवैध अफीम की खेती को प्रशासन द्वारा पूरी तरह से नष्ट किया गया था। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध अफीम की खेती किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

BRIEF NEWS

हाईकोर्ट ने कंस्ट्रक्शन कंपनी पर ठोका 2 लाख का जुर्माना

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने पेयजल विभाग द्वारा एकेजी कंस्ट्रक्शन कंपनी ब्लैक लिस्टेड किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करते हुए कंपनी पर दो लाख का जुमार्ना ठोका है। दरअसल कंपनी द्वारा बनाई गई जलमीनार कुछ ही दिनों में गिर गई थी, जिसके बाद एकेजी कंस्ट्रक्शन कंपनी को पेयजल विभाग ने ब्लैक लिस्टेड कर दिया था। जिसके खिलाफ कंपनी ने हाईकोर्ट का रूख किया था। लेकिन कंपनी को हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली। कोर्ट ने कंपनी को जुमार्ना की राशि चार सप्ताह में झालसा के खाते में जमा करने का निर्देश दिया है। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच में हुई। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन और अपर महाधिवक्ता अशोक कुमार यादव ने बहस की।

राजभवन उद्यान में दूसरे दिन भी उमड़ी भीड़

RANCHI : शुक्रवार को झारखंड राजभवन के उद्यान में आम नागरिकों के भ्रमण के दूसरे दिन 4,032 लोगों ने दौरा किया। सुबह से ही बच्चे, बुजुर्ग, युवक-युवतियां और महिलाएं उद्यान का आनंद लेते नजर आए। राजभवन से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार को 2,070 लोगों ने उद्यान भ्रमण किया था, जबकि शुक्रवार को यह संख्या बढ़कर 4,032 पहुंच गई। उल्लेखनीय है कि राजभवन आम नागरिकों के भ्रमण के लिए छह फरवरी से 12 फरवरी तक खोला गया है। उद्यान भ्रमण का समय पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न तीन बजे तक है। उद्यान में प्रवेश राज भवन के गेट न. 2 से जांच के बाद एक बजे अपराह्न तक दिया जायेगा।

कोल इंडिया की मैराथन दौड़ कल, विजेताओं में बंटेंगे 35 लाख रुपये

RANCHI : कोल इंडिया रांची मैराथन दौड़ का आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसमें देशभर से 10 हजार से अधिक धावक शामिल होंगे। यह कार्यक्रम 9 फरवरी को मोरहाबादी स्टेडियम में होगा। प्रतियोगिता को चार श्रेणियों में बांटा गया है। 5 किमी, 10 किमी, हाफ मैराथन (21 किमी) और फुल मैराथन (42 किमी) में विभाजित किया गया है। जिसमें कुल पुरस्कार राशि 35।10 लाख रुपया है। मैराथन सुबह 5 बजे से शुरू होगा। इस अवसर पर देश की मुक्केबाज मैरी कॉम विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इसके अलावा कोल इंडिया के अध्यक्ष पीएम प्रसाद, सीसीएल के सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह, कोल इंडिया के निदेशक और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी रहेंगे।

रांची नगर निगम के सुस्त रवैए के कारण कुत्ता मालिकों की मौज

₹200 खर्च कर रजिस्ट्रेशन कराने का बनाया गया है नियम, नहीं किया जाता पालन

अब तक राजधानी में सिर्फ 200 लोगों ने ही अपने कुत्ते का कराया है रजिस्ट्रेशन

VIVEK SHARMA @ RANCHI : राजधानी में पेट लवर्स का क्रेज चल पड़ा है। जिसे देखो, वही पेट यानी पालतू कुत्ता लेकर घूमते हुए नजर आ जाएगा। इसके लिए लोग पेट्स पर सालाना लाखों रुपये खर्च कर रहे हैं। उनके खाने-पीने से लेकर मेंटेनेंस पर हर महीना हजारों खर्च करने में पीछे नहीं हैं। लेकिन, नगर निगम में अपने पेट का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए लोगों के पास 200 रुपये भी नहीं हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पूरी रांची में मात्र 200 लोगों ने ही अपने पेट्स का रजिस्ट्रेशन कराया है। जिससे साफ है कि लोगों के निगम को देने के लिए 200 रुपये नहीं है। वहीं नगर निगम भी पेट लवर्स को लेकर सख्त नहीं है। उसके सुस्त रवैए के कारण ही लोग रजिस्ट्रेशन के लिए नहीं आ रहे हैं।

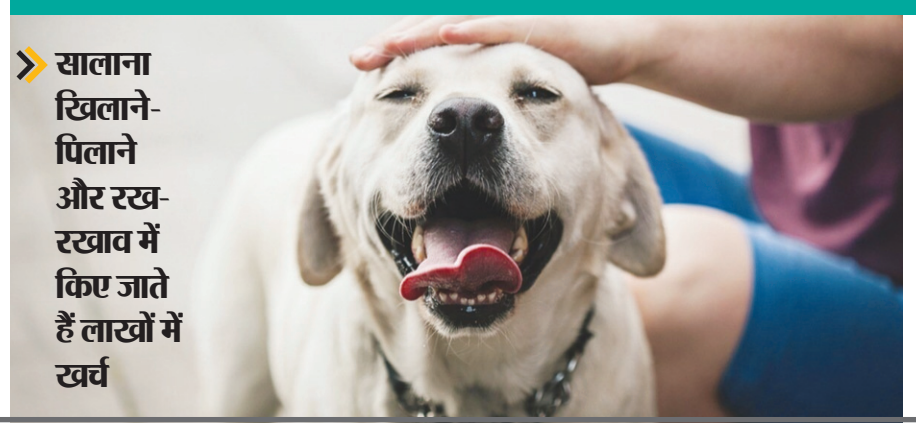

सालाना खिलाने-पिलाने और रख-रखाव में किए जाते हैं लाखों में खर्च

आधे लोगों ने रिनुअल नहीं कराया कैंप में ही लगाई जाती है वैक्सीन

नगर निगम में 200 लोगों ने अपने पेट्स का रजिस्ट्रेशन कराया। अब उसमें भी आधे लोग रिनुअल कराने नहीं आ रहे, जबकि इसे लेकर नगर निगम की ओर से कैंप भी लगाया जा रहा है। लेकिन, सख्ती नहीं होने के कारण लोग भी गंभीर नहीं हैं। वहीं नगर निगम भी पेट लवर पर सख्ती नहीं बरत रहा है। रांची नगर निगम पेट्स के रजिस्ट्रेशन के लिए 200 रुपये लेता है। इसमें पालतू कुत्ते का कार्ड बनाया जाता है। इसके अलावा उसे वैक्सीन भी लगाई जाती है। अगर आपके पेट को वैक्सीन लगी है तो उसे कार्ड बनाने के लिए 100 रुपये देने है। लेकिन लोग इतनी राहत के बावजूद रजिस्ट्रेशन में इंटरेस्ट नहीं दिखा रहे हैं।

मार्केट में अलग-अलग वेराइटी के कुत्ते मौजूद

मार्केट में अलग अलग वेराइटी के डॉग्स अवेलेबल हैं। इन्हें खरीदने में लोग लाख रुपये तक करते हैं। इसके बाद हर महीने उसके खाने और फिर ग्रूमिंग का खर्च अलग। ये सब करने के लिए ओनर्स के पास पैसे हैं। लेकिन, निगम में रजिस्ट्रेशन के लिए लोगों के पास समय नहीं है। और न ही लोगों के पास 100 रुपये। इस मामले में नगर निगम के पीआरओ ने बताया कि इसके लिए निगम ने एजेंसी को काम दे रखा है। बाकी वहीं लोग रजिस्ट्रेशन से लेकर वैक्सीनेशन का काम देखते हैं। एजेंसी को भी इस मामले में गंभीर होना चाहिए।

हादसा : हर तरफ मची अफरा-तफरी, बाल-बाल बचे ड्राइवर-खलासी

बीच सड़क पर पलटा डीजल से भरा टैंकर, ब्लास्ट के बाद लग गई आग

राईसा मोड़ के पास करीब 12 बजे हुई दुर्घटना, अचानक अनियंत्रित हो गया टैंकर

आसमान में छा गया काला धुआं, फायर बिग्रेड की तीन गाड़ियों ने आग पर पाया काबू

CRIME REPORTER RANCHI : शुक्रवार को रांची में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां नामकुम थाना क्षेत्र में डीजल से भरे एक टैंकर में आग लग गई। घटना दोपहर करीब 12 बजे की है। हादसे के बाद रोड के पास हर तरफ अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। इस हादसे में ड्राइवर और खलासी बाल-बाल बच गए। टैंकर के बीच सड़क पर पलटने से आवागमन बाधित रहा। जानकारी के अनुसार, नामकुम थाना क्षेत्र के राईसा मोड़ के पास डीजल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद टैंकर से सारा तेज बहने लगा। इसके बाद टैंकर में जोरदार ब्लास्ट हुआ। इससे टैंकर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे टैंकर को अपने चपेट में ले लिया। घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें आसमान तक उठ रही थीं। इलाके में काला धुआं छा गया था। इस घटना में टैंकर के ड्राइवर और खलासी की जान बच गई। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस और दमकल को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। आग बुझाने के लिए दमकल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। ग्रामीणों की मदद से फायर ब्रिगेड की टीम ने लगभग एक घंटे के बाद आग पर काबू पा लिया।

धू-धू कर जलता टैंकर।

हादसे के बाद रांची-टाटा मार्ग पर लगी वाहनों की कतार।

- टैंकर के पलटते ही सड़क पर बहने लगा डीजल बहुत ऊंचाई तक उठ रही थीं आग की लपटें
- आग पर काबू पाने से पहले टैंकर जलकर हो गया खाक
- घंटों बाद पुलिस ने आवागमन को कराया सामान्य
- विस्फोट के डर से कोई भी नहीं जा रहा था सामने

क्रेन की मदद से हटाया गया टैंकर, हादसे के बाद रांची-टाटा रोड पर लगी वाहनों की लंबी कतार

नामकुम थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद ने बताया कि राइसा मोड़ के पास दोपहर में एक डीजल से भरा अनियंत्रित होकर पलट गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। फायर बिग्रेड की टीम की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग पर काबू पाने से पहले टैंकर जलकर स्वाहा हो गया। हादसे में ड्राइवर और खलासी बाल-बाल बच गए। टैंकर में आग लगने की वहज से रांची-टाटा रोड जाम हो गया था। थोड़ी देर के बाद पुलिस ने क्रेन बुलवाया। इसके बाद क्रेन की मदद से बीच सड़क से जले हुए टैंकर को हटाया गया। इसके बाद पुलिस ने आवागमन सामान्य कराया। अपराह्न 4:15 बजे वाहनों का आवागमन शुरू हुआ। हादसे के बाद रांची-टाटा रोड में वाहनों की लंबी कतार लग गई। घंटो आवागमन बाधित रहा। घटनास्थल के दोनों तरफ के वाहन जहां थे, वहीं रुक गए। डीजल टैंकर में हुई विस्फोट के डर से कोई भी सामने नहीं जा रहा था। रांची-टाटा नेशनल हाईवे में हजारों गाड़ियां चलती हैं। इसकी वहज से देखते ही देखते रांची-टाटा रोड में बड़ा जाम लग गया। आग पर काबू पाने के बाद पुलिस ने जाम हटवाना शुरू किया। घंटों जाम में फंसे रहने के बाद लोगों को राहत मिली।

हमारा देश विविधता में एकता का उत्कृष्ट उदाहरण : गवर्नर

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राजभवन में 'राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा-2025' के प्रतिभागियों से संवाद किया। यह यात्रा अंतरराज्य छात्र जीवन दर्शन (स्टूडेंट एक्सपीरियंस इन इंटर स्टेट लिविंग-एसआईएल) कार्यक्रम के तहत आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि हमारा देश विविधता में एकता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह यात्रा युवाओं को देश के विभिन्न राज्यों की यात्रा कर वहां की संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक संरचना को समझने का अद्भुत अवसर प्रदान करेगी। राज्यपाल ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि एसआईएल 1966 से राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ कर रहा है और यह संगठन सीमावर्ती एवं सुदूर क्षेत्रों के छात्रों को भारत के अन्य भागों के लोगों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र-एक जन-एक संस्कृति केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और भावनात्मक एकता का वास्तविक प्रतिबिंब है।

- राज्यपाल ने 'राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा-2025' के प्रतिभागियों से किया संवाद
- राजभवन में अंतरराज्य छात्र जीवन दर्शन कार्यक्रम के तहत किया गया आयोजन

आपसी संबंधों को बनाए रखें युवा

गंगवार ने उल्लेख किया कि पांच वर्ष पूर्व, नई दिल्ली में भी एसआईएल के लगभग 100 प्रतिभागियों से संवाद हुआ था। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे इस यात्रा के दौरान बने आपसी संबंधों को बनाए रखें। इस अवसर पर रुस्तम (अरुणाचल प्रदेश) और अनुमति राधा (असम) ने 'राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा-2025' के दौरान अपने अनुभव साझा किए और इसे एक अविस्मरणीय और शिक्षाप्रद यात्रा बताया।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

अधिवक्ताओं व उनके क्लर्क को दी गई ई-कोर्ट की ट्रेनिंग

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को माननीय सर्वोच्च न्यायालय की ई-कमिटी एवं न्यायिक अकादमी झारखंड के तत्वावधान में व्यवहार न्यायालय ने अधिवक्ताओं और उनके क्लर्क के लिए ई-कोर्ट पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में माननीय न्यायायुक्त दिवाकर पांडे, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय, एसएस फातमी, पीओ, एमएसीटी मनीष, रांची जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शंभु प्रसाद अग्रवाल, संजय विद्रोही समेत रांची जिला बार एसोसिएशन के अन्य निर्वाचित सदस्य एवं अधिवक्ता तथा रांची व्यवहार न्यायालय के डीएसए भास्कर एवं साजिद रिसोर्स पर्शन के रूप में उपस्थित थे। यह जानकारी डालसा सचिव कमलेश बेहरा ने दी।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की गलत व्याख्या कर रहे हेमंत : प्रतुल शाहदेव

RANCHI : शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने प्रदेश मुख्यालय में प्रेस वार्ता की। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सोरेन सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की गलत व्याख्या कर रहे हैं, ताकि लोगों का ध्यान भटकाया जा सके। प्रतुल शाहदेव ने सर्वोच्च न्यायालय के अगस्त 2024 में दिए गए ऐतिहासिक निर्णय का हवाला दिया। इसमें कहा गया था कि राज्यों को बकाया राशि 12 वर्षों में 12 किस्तों में दी जाएगी, जो कि 1 अप्रैल 2026 से शुरू होकर 1 अप्रैल 2037 तक चलेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार को इस बकाया राशि पर कोई भी ब्याज या पेनल्टी नहीं मिलेगी, जैसा कि मुख्यमंत्री द्वारा बार-बार 1.36 लाख करोड़ रुपये के बकाए का जिक्र किया जा रहा है।

सीटी स्कैन व अल्ट्रासाउंड की मदद से निकाले जा रहे सैंपल

रिम्स के रेडियोलॉजी विभाग में आसान हुआ नई तकनीक से मरीजों का इलाज

PHOTON NEWS RANCHI : रिम्स के रेडियोलॉजी विभाग में सीटी और अल्ट्रासाउंड गाइडेड प्रक्रिया अब आम हो गई हैं। इससे इलाज के लिए आने वाले मरीजों को काफी लाभ मिल रहा है। इन प्रक्रियाओं के कारण कई जटिल बीमारियों का सटीक इलाज और जांच संभव है। सीटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड की मदद से शरीर के विभिन्न अंगों से सेल्स निकालकर उसकी बायोप्सी व एफएनएसी कराई जा रही है। इस तकनीक से गॉल ब्लैडर, पैनक्रियाज, सीबीडी कैंसर के मरीजों के लिए पीटीबीडी मवाद निकालने के लिए परक्यूटैनियस ड्रेनेज, हेमनजियोमा का इलाज स्केलेरोथेरेपी और बच्चों के इंटसक्सेप्शन का हाइड्रोरिडक्शन जैसे इलाज किए जाते हैं।

ट्यूमर से लिया गया था सैंपल

रिम्स के सीनियर रेसीडेंट डॉ असीम मित्रा ने एक जटिल बायोप्सी प्रक्रिया की। जिसमें मरीज के छाती में ट्यूमर से कोशिकाओं का सैंपल लिया गया। इस टीम में डॉ रुचि पांडे और सीनियर रेडियोग्राफर का भी सहयोग रहा। रेडियोलोजी विभाग के एचओडी प्रोफेसर डॉ सुरेश टोप्पो ने बताया कि इन प्रक्रियाओं से बिना चीड़ा किए बीमारी की पहचान और स्तर का सही आकलन किया जा सकता है। जिससे डॉक्टर सटीक इलाज कर सकते है। इसके अलावा इन प्रक्रियाओं से मरीजों को अस्पताल में कम समय रहना पड़ता है।

डीएसपीएमयू के दीक्षांत समारोह में 183 विद्यार्थियों को राज्यपाल ने दिया गोल्ड मेडल

शुक्रवार को रामदयाल मुंडा फुटबॉल मैदान में राज्यपाल संतोष गंगवार ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में 183 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बच्चों ने कठिन परिश्रम, समर्पण और संघर्ष से ज्ञान और कौशल अर्जित किया है। वे समाज और राष्ट्र निर्माण का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित होंगे। विद्यार्थी अपने ज्ञान और नेतृत्व से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम रहेंगे। विद्यार्थियों को सत्य और प्रकाश की ओर चलना है। ज्ञान का सही उपयोग कर वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम होंगे। भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीयता और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान रहेगा। ज्ञान प्राप्ति के साथ विद्यार्थियों को सम्मानपूर्वक और जिम्मेदारी से अपनी भूमिका निभानी होगी। प्रत्येक विद्यार्थी को समाज के कल्याण के लिए अपनी भूमिका निभानी होगी।

कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल संतोष गंगवार और समापन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे

68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट में शामिल होंगे 1228 प्रतिभागी

PHOTON NEWS RANCHI : 68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट का आयोजन झारखंड की राजधानी रांची में 10 से 15 फरवरी तक होगा। कार्यक्रम का उद्घाटन 10 फरवरी को राज्यपाल द्वारा किया जाएगा और 15 फरवरी को मुख्यमंत्री द्वारा समारोह का समापन किया जाएगा। डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देशन में ड्यूटी मीट का आयोजन पहली बार झारखंड के मोरांग गोमके, जयपाल सिंह मुंडा खेल परिसर में किया जाएगा। गौरतलब है कि अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट का आयोजन अखिल भारतीय पुलिस खेल कूद प्राधिकरण के तत्वावधान में प्रत्येक वर्ष किया जाता है। सर्वप्रथम वर्ष 1953 में राइफल रिवॉल्वर, शूटिंग प्रतियोगिता के रूप में प्रारंभ किया गया था। इसका उद्देश्य व्यावसायिक प्रदर्शन के मानकों को सभी पुलिस संगठनों के कर्मियों के बीच सर्वश्रेष्ठीकरण को प्रोत्साहित करना था। जैसे-जैसे इस आयोजन की सफलता और लोकप्रियता बढ़ी, इस पुलिस ड्यूटी मीट में अतिरिक्त प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया। शुक्रवार को सीआईडी मुख्यालय में स्पेशल ब्रांच आईजी प्रभात कुमार और सीआईडी आईजी असीम विक्रांत मिंज द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी गई।

डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देशन में झारखंड में पहली बार हो रहा यह आयोजन

1160 पुरुष व 68 महिला प्रतिभागी

इस प्रतिस्पर्धा में पुलिस और अर्धसैनिक संगठनों के कुल 1228 प्रतिभागी, जिनमें पुरुष प्रतिभागी 1160, महिला प्रतिभागी 68 और श्वान दस्ते के 21 टीमें जिसमें 128 श्वान भाग ले रहे हैं। इन प्रतिस्पधार्ओं के मूल्यांकन के लिए 45 निर्णायक सदस्य होंगे। इस मीट का आयोजन आईटीएस, रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय और बिरसा मुंडा खेल स्टेडियम में किया जाएगा।

कार्यक्रम में 18 राज्यों की आठ टीमों का होगा पार्टिसिपेशन

पहला राइफल रिवॉल्वर शूटिंग प्रतियोगिता, दूसरा बैंड प्रतियोगिता और तीसरा साइंटिफिक एड टू इन्वेस्टिगेशन, पुलिस फोटोग्राफी, कंप्यूटर अवेयरनेस, पुलिस वीडियोग्राफी, एंटी सबोटेज चेक (श्वान दस्ते)। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए कुल 18 राज्यों के प्रतिभागी और केंद्रशासित प्रदेशों के दो राज्यों के प्रतिभागी तथा देश के अर्धसैनिक संगठनों की कुल आठ टीमें भाग लेंगी। इस प्रतियोगिता में कुल 13 विषयों पर प्रतिस्पर्धा कराई जाएगी, जिनमें विधि विज्ञान परीक्षा (लिखित), मेडिको-लीगल मौखिक परीक्षा, पुलिस फोटोग्राफी परीक्षा, पुलिस वीडियोग्राफी, क्राइम इन्वेस्टिगेशन लॉ रूल्स तथा कोर्ट जजमेंट, लिफ्टिंग पैकिंग, प्रदर्शनों का अग्रसारण, अंगुलांक विज्ञान प्रायोगिक एवं मौखिक परीक्षा, पुलिस पोर्ट्रेट, ऑब्जर्वेशन, कंप्यूटर साक्षरता, श्वान प्रशिक्षण और एंटी सबोटेज चेक शामिल हैं।

सनातन और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संवाहक रहे कामेश्वर चौपाल : मरांडी

RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वर्गीय कामेश्वर चौपाल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मरांडी ने कहा कि कामेश्वर चौपाल सहज, सरल और कुशल संगठनकर्ता थे। वे एक प्रभावशाली वक्ता भी थे और उनका संपूर्ण जीवन राम कार्य और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को समर्पित रहा। उन्होंने राम को केवल आराध्य नहीं, बल्कि राष्ट्र पुरुष के रूप में माना और इस विचार को गांव-गांव तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि उनके साथ विहिप में संगठन कार्य साथ साथ करने का सुअवसर मिला जो स्मृतियों में शामिल है। भाजपा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कुमार राय ने भी चौपाल के निधन पर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

मुफ्त में की जाएगी 25 मरीजों की सर्जरी

13 फरवरी को राजधानी में जुटेंगे देश-विदेश के सर्जन

PHOTON NEWS RANCHI : इंडियन सोसाइटी ऑफ हर्निया की 16वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन 13-14 फरवरी को रांची में होगा। इसमें एम्स दिल्ली सहयोग कर रहा है। कांफ्रेंस में हर्निया से पीड़ित मरीजों की सर्जरी की जाएगी। इसका लाइव प्रसारण किया जाएगा। इस दौरान लगभग 25 मरीजों की निःशुल्क सर्जरी की जाएगी। यह सर्जरी आर्किड हॉस्पिटल में की जाएगी। इस सर्जरी का सीधा प्रसारण होटल रेडिशन ब्लू में किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के प्रतिष्ठित सर्जन भाग लेंगे। वहीं हर्निया की सर्जरी में लेटेस्ट तकनीकों से अवगत कराएंगे। 14 फरवरी को सीएमई सत्र में सर्जरी की समीक्षा होगी। बता दें कि कांफ्रेंस में 250 से अधिक सर्जन शामिल होंगे। आर्गनाइजिंग टीम में डॉ गीता प्रसाद, डॉ शंभु प्रसाद सिंह और डॉ रंजन कुमार शामिल हैं। डॉ शंभु प्रसाद ने बताया कि चीफ गेस्ट स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी होंगे।

समाचार सार

जुआं सबर के श्राद्ध कर्म में मंत्री ने दिया राशन

GHATSILA : जुआं सबर के श्राद्ध कर्म के लिए शुक्रवार को मंत्री रामदास सोरेन के निर्देश पर विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने राशन भेंट किया। ज्ञात हो कि कालचिति पंचायत के रामचंद्रपुर सबर बस्ती में बीमारी के कारण 29 जनवरी को जुआं सबर की मौत हो गई थी। घर में पुरुष सदस्य नहीं होने के कारण महिलाओं ने शव को कंधा दिया और अंतिम संस्कार किया था। इस खबर को द फोटोन न्यूज में प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। खबर छपने के बाद मंत्री लगातार बस्ती के लोगों के संपर्क में थे। मृतक का पुत्र श्यामल सबर नौकरी करने तमिलनाडु गया था। सूचना मिलने पर गांव लौटा। मृतक की पत्नी गुलाबी सबर ने मंत्री से श्राद्ध कर्म में सहयोग करने का आग्रह किया था। इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य सुमित्रा सोरेन, अपा हेंब्रम, सुशील मार्डी, बंकिम नामाता, चंचल सरकार, संदीप देवगन, राजा सिंह आदि भी उपस्थित थे।

अनुमंडल अस्पताल में घुसा रसेल वाइपर सांप

GHATSILA : अनुमंडल अस्पताल परिसर में शुक्रवार की दोपहर रसेल वाइपर नामक दुनिया का दूसरा सबसे जहरीला सांप ड्रेसिंग रूम में घुस गया। इससे कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। किसी तरह से सांप को स्वास्थ्य कर्मियों ने डस्टबिन के अंदर डालकर रख दिया। बाद में जानकारी मिलने पर वन विभाग के कर्मचारियों ने सांप को पकड़ कर जंगल में छोड़ दिया। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने राहत की सांस ली।

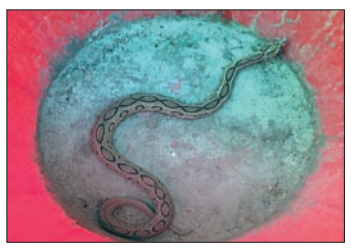

जादूगोड़ा के स्वास्थ्य मेला से 408 लाभान्वित

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के जादूगोड़ा स्थित माटीगोंडा पंचायत भवन में शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला लगा, जिससे 408 ग्रामीण लाभान्वित हुए। केंदाडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा आयोजित मेला में मलेरिया, कुष्ठ, टीबी, मधुमेह, परिवार नियोजन, कुपोषित बच्चों, रक्तचाप, गर्भवती महिलाओं की जांच के अलावा मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, आयुष्मान कार्ड, आभा कार्ड आदि के स्टॉल लगे थे। का उद्घाटन केंद्र के प्रभारी डॉ. सुंदर लाल मार्डी, जिला कार्यक्रम समन्वयक हकीम प्रधान, बीपीएम सूरज पूर्ति, प्रमुख रामदेव हेंब्रम, जिला परिषद लक्खी मार्डी, पूर्व जिला परिषद, ग्राम प्रधान मनोरंजन महतो, समेत मुसाबनी अंचलाधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

अमेरिका के खिलाफ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

JAMSHEDPUR : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी व झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस के कार्यकताओं ने शुक्रवार को अमेरिकी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। साकची गोलचक्कर पर जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे व वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के नेतृत्व में भारतीय प्रवासियों के अन्यायपूर्ण निर्वासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया।

कांग्रेसियों ने फूंका प्रधानमंत्री का पुतला

GHATSILA : अमेरिका द्वारा प्रवासी भारतीयों को हथकड़ियों और बेड़ियों में जकड़कर जानवरों की तरह विमान से भारत भेजने तथा इस मामले में केंद्र सरकार की चुप्पी के खिलाफ कांग्रेसियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। प्रदेश सचिव सनत काल्टू चक्रवर्ती के नेतृत्व में शुक्रवार को मऊभंडार चौक पर हुए कार्यक्रम में कार्यकताओं ने केंद्र सरकार व प्रधानमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

केंद्र सरकार के खिलाफ खूब लगाए नारे

CHAIBASA अमेरिकी सरकार द्वारा भारतीय प्रवासियों के अन्यायपूर्ण निर्वासन के खिलाफ कांग्रेस कार्यकताओं ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। शहीद पार्क चौक पर कार्यकताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ खूब नारे लगाए। इस मौके पर प्रदेश महासचिव त्रिशानु राय ने कहा कि अमानवीय हिरासत ने हमारे देश की छवि को धूमिल किया है।

काशिदा में सोलर चालित जलमीनार का उद्घाटन

GHATSILA : घाटशिला प्रखंड के काशिदा गांव में शुक्रवार को जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने सोलर चालित जलमीनार का उद्घाटन किया। मुर्मू ने कहा कि जिला परिषद निधि से बोरिंग सह जलमीनार का निर्माण किया गया है। इससे ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है। काशिदा के लिए दो महत्वपूर्ण योजनाओं की स्वीकृति दी गई है, जिसे बहुत जल्द धरातल पर उतारा जाएगा।

जनता की हर समस्या का होगा हल : विधायक

GOILKERA : विधायक जगत माझी शुक्रवार को साप्ताहिक जनता दरबार में प्रखंड के ग्रामीणों से मिले और उनकी समस्या सुनी। अपने कक्ष में करीब दो घंटे तक विधायक रहे। उन्होंने बारी-बारी से सबकी समस्या सुनी और कहा कि जनता की हर समस्या का हल किया जाएगा। गुदड़ी के बान्दू से आए ग्रामीणों ने पंचायत के कुछ गांवों में बिजली कनेक्शन नहीं मिलने की शिकायत की। इस पर विधायक ने मुख्यमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन करने का सुझाव दिया। कुछ ग्रामीणों ने नया चापाकल लगाने का आवेदन दिया। कुछ ने गोइलकेरा में अतिरिक्त आधार सेवा केंद्र खोलने और कदमडीहा पंचायत से ग्रामीणों ने धोबाडीह में मानकी-मुंडा के लिए भवन निर्माण की मांग रखी। कुछ लोग व्यक्तिगत कार्यों से भी मिले।

तीन मोटरसाइकिल चोर किए गए गिरफ्तार, चार दोपहिया बरामद

जमशेदपुर में वाहन चोरों पर कसा जा रहा शिकंजा, पुलिस का अभियान जारी

PHOTON NEWS JSR: सीतारामडेरा थाना की पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए बाइक चोरी के मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से चार बाइक बरामद किए गए हैं, जिसमें एक स्कूटी और तीन मोटरसाइकिल शामिल हैं। इसके साथ ही पुलिस ने उनके पास से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सागर शर्मा निवासी आदर्श नगर, सीतारामडेरा, विजय थापा निवासी भुइयांडीह नंद नगर, सिदगोड़ा और विश्वजीत प्रमाणिक निवासी करमा गांव, बलरामपुर, पश्चिम बंगाल हैं। ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने जानकारी दी कि सीतारामडेरा थाना पुलिस ने मानगो बस स्टैंड के पास चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक के साथ सागर शर्मा और विजय थापा को पकड़ा। पूछताछ के दौरान सागर शर्मा ने खुलासा किया कि वह इस बाइक को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के विश्वजीत प्रमाणिक को बेचने वाला था। इसी बीच पकड़ा गया।

मामले की जानकारी देते ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ● फोटोन न्यूज

चोरी की बाइक खरीदने वाला भी गिरफ्तार

पुलिस ने सागर की सूचना के आधार पर बोड़ाम क्षेत्र के हाथी खेदा मंदिर के पास से विश्वजीत प्रमाणिक को भी गिरफ्तार कर लिया। वह वहां चोरी की बाइक खरीदने आया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद, पूछताछ में चोरी की दो और मोटरसाइकिलें और एक स्कूटी बरामद हुई।

- चोरी की गई बाइक बंगाल में बेचते थे अपराधी
- वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ाया गिरोह का मुख्य सरगना

लगातार बढ़ रही बाइक चोरी की घटनाएं

गौरतलब है कि जमशेदपुर में हाल के दिनों में बाइक चोरी की घटनाओं में काफी वृद्धि हुई है। पुलिस लगातार इन घटनाओं पर शिकंजा कसने के लिए अभियान चला रही है। इस गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

ई-रिक्शा व बाइक में टक्कर, युवक घायल

CHAKRADHARPUR : रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग एनएच-75ई पर चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय के समीप शुक्रवार को ई-रिक्शा व बाइक में टक्कर हो गई। इसमें बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद घायल युवक को चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती किया गया। जानकारी के अनुसार चक्रधरपुर शहर के शीतला मंदिर निवासी गगन महाली बाइक से कहीं जा रहा था। इसी दौरान प्रखंड कार्यालय के समीप ई-रिक्शा से टक्कर हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। इस दुर्घटना में बाइक सवार गगन के सिर और चेहरे में गंभीर चोट लगी है। घटना के बाद परिजनों को सूचित कर दिया गया और परिजन अस्पताल पहुंचकर घायल को बेहतर इलाज के लिए ले गए।

सिदगोड़ा में 31 फीट ऊंची सरस्वती प्रतिमा में लगी आग

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा स्थित एआईडब्ल्यूसी स्कूल के पास शुक्रवार की रात एक बड़ा हादसा हुआ। सरस्वती पूजा के विसर्जन के दौरान 31 फीट ऊंची प्रतिमा में आग लग गई, जिससे अफरातफरी मच गई। घटना रात करीब 7 बजे की है। जानकारी के मुताबिक, विसर्जन जुलूस में शामिल कुछ लोग पटाखे दाग रहे थे। इसी दौरान एक चिंगारी प्रतिमा तक पहुंच गई और उसमें आग लग गई। प्रतिमा में आग लगते ही लोग परेशान हो गए। प्रतिमा को तुरंत मैदान में ही रोक दिया गया, ताकि आग पर काबू पाया जा सके। स्थानीय लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन प्रतिमा के बड़े आकार और उसमें इस्तेमाल की गई सामग्री के कारण आग तेजी से फैल गई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई झुलसा नहीं। लेकिन, प्रतिमा को भारी नुकसान पहुंचा। विसर्जन के दौरान ऐसी घटना से लोग दहशत में आ गए।

सिदगोड़ा दुर्गापूजा मैदान में 31 बरुओं का हुआ सामूहिक उपनयन संस्कार

मैथिल उत्कर्ष संस्थान ने कराया पांच दिवसीय अनुष्ठान

PHOTON NEWS JSR : मैथिल उत्कर्ष संस्थान, जमशेदपुर की ओर से सिदगोड़ा गणेश पूजा मैदान में 3 से 7 फरवरी तक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन किया गया। इसमें शुक्रवार को मैथिल ब्राह्मण के 31 बरुओं का सामूहिक उपनयन संस्कार कराया गया। पुरोहित पं. कालीकांत झा, पं. गोविंद झा, पं. सुरेश झा, पं. किशोरी झा, पं. अशोक झा व पं. अमरकांत झा ने उपनयन संस्कार निशुल्क कराया।

उपनयन विधि के दौरान मड़वा में सभी बरुआ की मां, नानी, मामी, मौसी एवं अन्य संबंधियों द्वारा भिक्षा दी गई। इसके बाद सभी बरुआ का हजाम ने मुंडन व क्षौरकर्म किया। मुंडन के बाद प्रत्येक बरुआ ने मंदिर के कुआं में स्नान करके नए वस्त्र धारण किए। वस्त्र पहनकर प्रत्येक श्रेष्ठ जनों से आशीर्वाद मांगा। इस अनुष्ठान को सफल बनाने में मिथिला उत्कर्ष संस्थान जमशेदपुर के संरक्षक परमानंद झा, अध्यक्ष उमानाथ झा, प्रवीण कुमार मिश्र, रंजीत झा, अनिल झा, हरेराम झा, नरेश चौधरी, मनु झा, पोंटी, विनय कुमार चौधरी, विजय चंद्र झा, मनोज कुमार झा, विष्णुकांत झा, विलास झा महिला समाजसेवी मंजू झा, पूनम चौधरी, सोनी, अर्चना, कल्पना, रंजू व रेखा सहित समाज के कई गणमान्य शामिल थे।

बरुओं के साथ आयोजक व अतिथि ● फोटोन न्यूज

आज साकची में निकलेगी निशान यात्रा, सजेगा बाबा श्याम का भव्य दरबार

JAMSHEDPUR : श्रीश्री साकची शिव मंदिर व श्री श्याम परिवार का 36वां श्रीश्री श्याम महोत्सव 8 फरवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा। शनिवार को दोपहर 2 बजे साकची शिव मंदिर से श्याम नाम की ध्वजा लिए निशान (ध्वज) यात्रा निकाली जाएगी, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए मंदिर लौटेगी। इसमें 1100 से अधिक भक्त निशान के साथ शामिल रहेंगे। बाबा श्याम की ज्योत रात08.30 बजे मुख्य यजमान रामकृष्ण चौधरी (बीजू बाबू) सपरिवार द्वारा प्रज्जवलित की जाएगी। रात 9 बजे से देर रात तक भजनों की अमृत वर्षा होगी। महोत्सव का मुख्य आकर्षण भव्य दरबार, अलौकिक श्रृंगार, इत्र वर्षा, छप्पन भोग, अखंड ज्योत, विशाल संकीर्तन होगा। भजनों की अमृत वर्षा करने के लिए समस्तीपुर से रेशमी शर्मा व कोलकाता से विवेक शर्मा आ रहे हैं।

आधी-अधूरी सड़क निर्माण से ग्रामीण हुए आक्रोशित

बैठक के दौरान विरोध करते ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : डीएमएफटी (डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट) फंड के 54 लाख रुपये से बंदगांव प्रखंड के लांडुपोदा पंचायत अंतर्गत बालेसाई में 540 मीटर पीसीसी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। जबकि, ग्रामीण पूरे गांव में 1.2 किलोमीटर लंबी सड़क बनाने की मांग कर रहे हैं। इसी मामले को लेकर शुक्रवार को ग्रामीण मुंडा करम सिंह सरदार की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें मुखिया कुश पुरती, विधायक प्रतिनिधि पीरु हेंब्रम व झामुमो नेता रामलाल मुंडा भी मौजूद थे। ग्रामीणों ने कहा कि डीएमएफटी फंड से गांव में 540 मीटर पीसीसी सड़क निर्माण कराया जा रहा है, जबकि पूरे गांव में 1.2 किलोमीटर कच्ची सड़क है। आजादी के बाद से पहली बार गांव में पक्की सड़क का निर्माण हो रहा है, लेकिन अधूरी। ग्रामीणों ने कहा कि पूरे गांव की सड़क पीसीसी बनाई जाए। एनएच-75 से दुखिया पुरती के घर तक 1.2 किमी पीसीसी सड़क बने।

मैट्रिक-इंटर की परीक्षा 11 से होगी शुरू, 3 मार्च तक चलेगी

साकची स्थित रवींद्र भवन में उपस्थित केंद्र अधीक्षक व दंडाधिकारी

JAMSHEDPUR : मैट्रिक व इंटर की परीक्षा 11 फरवरी से 3 मार्च तक चलेगी। इसे लेकर उपायुक्त ने शुक्रवार को केंद्र अधीक्षकों व प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों के साथ बैठक की, ताकि परीक्षा को कदाचार मुक्त बनाया जा सके। इसमें बताया गया कि इस वर्ष 10वीं की बोर्ड परीक्षा में जिले के 25,380 और इंटर में 22,256 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इसमें इंटर के कला संकाय में 13,595 विज्ञान में 4,697 और वाणिज्य में 3,964 परीक्षार्थी होंगे। 71 केंद्रों पर 10वीं तथा 35 केंद्रों पर 12वीं की परीक्षा होगी।

कुल 47,636 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस दौरान परीक्षा केंद्रों की 100 मीटर परिधि में धारा-144 प्रभावी रहेगी।

रेपो रेट 0.25% घटाने से बाजार को मिलेगी मजबूती : कैट

JAMSHEDPUR : कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री सुरेश सोंथालिया ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में 0.25 आधार अंकों की कटौती का स्वागत किया और कहा कि रिजर्व बैंक का यह फैसला व्यापारियों और उपभोक्ताओं के लिए उधारी लागत को कम करने वाला और विकास को गति देने में महत्वपूर्ण कदम है। होम और बिजनेस लोन की ईएमआई कम होने से वित्तीय राहत मिलेगी। सोंथालिया ने कहा खर्च योग्य आय (डिस्पोजेबल इनकम) बढ़ेगी, जिससे उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा मिलेगा। बाजार में पूंजी प्रवाह बढ़ेगा, जिससे व्यापार और निवेश को मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही, आगामी बजट में आयकर छूट की सीमा 12 लाख रुपये तक बढ़ाने का प्रस्ताव आम जनता की बचत में वृद्धि करेगा। यह अतिरिक्त बचत उपभोक्ता मांग, बाजार की तरलता और आर्थिक विकास को मजबूती देगी। मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए सही नीतियां आवश्यक हैं।

प. सिंहभूम जिले में नहीं होती कन्या भ्रूण हत्या, लेकिन साक्षरता दर कम : डीडीसी

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने पर ली शपथ

PHOTON NEWS CHAIBASA : बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर शुक्रवार को शपथ दिलाई गई। जिला प्रशासन की समाज कल्याण शाखा ने जिलास्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा ने कहा कि पश्चिमी सिंहभूम एक भाग्यशाली जिला है, जिसमें कन्या भ्रूण हत्या नहीं होती, लेकिन बालिकाओं की साक्षरता दर कम है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जागरूकता अभियान प्रभावी बनाने के लिए प्रखंड स्तर एवं ग्राम स्तर पर विशेष जागरूकता अभियान चलाने, बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने एवं स्कूल ड्रॉपआउट की दर को कम करने एवं बाल विवाह रोकने पर जोर दिया। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना ने हमारे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया है। हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक बालिका को शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा का पूरा अधिकार मिले। इसके साथ ही मुंडा-मानकी, मुखिया के साथ समय-समय पर बैठक कर अभिभावकों को जागरूक कर बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ें। स्वेता भारती, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने कहा इस 10 वर्षीय उत्सव के लिए विशेष कैलेंडर तैयार किया गया है।

समाहरणालय सभागार में शपथ लेतीं सेविका-सहायिका

कोरोजन व कोटिंग्स पर द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

'जंग लगने के कारणों को एकीकृत ढांचे में रखना आवश्यक'

PHOTON NEWS JSR : गोलमुरी स्थित होटल ताज विवांता में कोरोजन (जंग) व कोटिंग्स पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन शुक्रवार को हो गया। इसमें दुनिया भर के उद्योग विशेषज्ञ, अनुसंधानकर्ता और पेशेवर ने संक्षारण (जंग) एवं उन्नत कोटिंग्स पर चर्चा में शामिल हुए। सम्मेलन के दूसरे दिन के सबसे प्रतीक्षित खंडों में से एक 'संक्षारण चुनौतियां, सतत विकास और परिपत्र अर्थव्यवस्था : आगे का रास्ता' शीर्षक पर पैनल चर्चा थी। सीएसआईआर-एनएमएल के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. रघुवीर सिंह द्वारा संचालित इस सत्र में उद्योग और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के विशेषज्ञ एक साथ एकत्रित हुए। चार प्रतिष्ठित पैनल में डॉ. संदीप घोष चौधरी (निदेशक, सीएसआईआर-एनएमएल), उज्ज्वल चक्रवर्ती (ईआईसी, टाटा टिनप्लेट), डॉ. रामानुज नारायण (निदेशक, आईएमएमटी, प्रवीण थम्पी (चीफ-सीआरएम टाटा स्टील कलिंगनगर) ने पर्यावरणीय मुद्दों, स्थिरता और आर्थिक विकास के संबंध में मैटेरियल साइंस की भूमिका पर जोर देते हुए उपरोक्त प्रासंगिक विषय पर अपने विचार साझा किए। इस सत्र का मुख्य निष्कर्ष रहा कि संक्षारण प्रबंधन रणनीतियों को सतत विकास लक्ष्यों के बड़े ढांचे के भीतर एकीकृत करने की तत्काल आवश्यकता है तथा अनुसंधान एवं विकास वैज्ञानिकों और उद्योगों से आग्रह किया गया कि वे आरंभिक लागत से आगे सोचें तथा दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभावों पर विचार करें। चर्चा में भौतिक अपशिष्ट से निपटने और संसाधनों के अनुकूलन में समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया, जो अधिक टिकाऊ और वृत्ताकार व्यापार मॉडल की दिशा में वैश्विक प्रयास के साथ संरेखित हो।

यह दो दिवसीय सम्मेलन भारतीय धातु संस्थान (आईआईएम), जमशेदपुर चैप्टर द्वारा सीएसआईआर-एनएमएल, टाटा स्टील और एनआईटी जमशेदपुर के सहयोग से किया गया था।

सम्मेलन के सुबह के सत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों के वक्ताओं के साथ प्रभावशाली पूर्ण सत्र, मुख्य भाषण, तकनीकी वार्ता और समानांतर पोस्टर सत्रों की श्रृंखला आयोजित की गई। मुख्य वक्ताओं ने संक्षारण निगरानी, लेखा परीक्षा, पूर्वानुमान मॉडलिंग और कोटिंग्स में उभरते विषयों पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। समानांतर पोस्टर सत्रों ने प्रतिभागियों को शोधकताओं के साथ सीधे जुड़ने, अपने विचारों को आदान-प्रदान करने और संभावित सहयोग की खोज करने हेतु अवसर दिया।

सेमिनार में उपस्थित अतिथि व अन्य ● फोटोन न्यूज

ये रहे विजेता

मौखिक प्रस्तुति के विजेताओं में निमाई चंद्र गोराई (टाटा स्टील), महेश जी. वालुंज (सीएसआईआर-एनएमएल), सैकत मंडल (आईआईटी कानपुर), अनुश्री नाग (टाटा स्टील), ललित मीना (सीएसआईआर-एनएमएल), तानाजी के चव्हाण (आईआईटी धनबाद), भरत सिंह चाहर (आईआईटी कानपुर), अरिंदम चक्रवर्ती (आईआईसीटी हैदराबाद), वाई. उषा (सीएसआईआर-एनएमएल) और जुआन डेविड एम ग्युरेरो (आईआईटी खड़गपुर) तथा पोस्टर प्रस्तुति के विजेता में रोहित कुमार, अपूर्बा मैती, देविना रत्नम और सुमन प्रधान शामिल थीं।

समापन सत्र के अतिथि

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में टाटा टिनप्लेट के ईआईसी उज्ज्वल चक्रवर्ती और विशिष्ट अतिथि के रूप में सीएसआईआर-आईएमएमटी के निदेशक डॉ. रामानुज नारायण उपस्थित थे। इसके अलावा, आईआईएम के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार, आईउसी के अध्यक्ष डॉ. रघुवीर सिंह, टाटा स्टील के डॉ. एएन भगत और उद्योग, शिक्षा और अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के अन्य विशेषज्ञ भी मौजूद थे। दोनों विशिष्ट अतिथियों ने सम्मेलन के दौरान छात्रों और मौखिक तथा पोस्टर प्रस्तुतियों के विजेताओं को सम्मानित किया तथा उनके असाधारण योगदान और उपलब्धियों की सराहना की।

मशरूम की खेती

मशरूम की खेती हजारों वर्षों से विश्वभर में भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ ह्दय और ह्दय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है।

मशरूम उत्पादन तकनीकी

पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

भारत में मशरूम की प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूडा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है।

आम वाईट बटन मशरूम

आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्ररोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) = 150-180 डिग्री से; नमी= 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अत= 100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

ऑएस्टर मशरूम

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ = प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्ररोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।

400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।

लकड़ी के सांचे - 45.30.15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44.29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)

जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

टाट के बोरे

स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

एक स्प्रेयर कैसे करें

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा।

कूड़ा खाद तैयार करना

गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिगनिन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूड़ा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्ट्रूटे को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूड़ा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं।

अत=, इन सबस्ट्रूट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्रियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्क100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उठ्यमान कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंत्तर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयत= सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी।

प्रणाली

छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयत= सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है।

अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयत= दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0ङ्क2.5ङ्क2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें।

चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-डुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए।

बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए।

अब क्या करें

लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए।

स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुन= स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए।

आगे क्या करें

अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए।

बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

यह भी करें

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

परिरक्षण

मशरूम को ताजा खाया जा सकता है अथवा इसे सुखाया जा सकता है। चूंकि वे शीघ्र ही नष्ट हो जाने वाले प्रकृति के होते हैं तो आगे के इस्तेमाल अथवा दूरस्थ विपणन के लिए उनका परिरक्षण आवश्यक है। ओयेस्टर मशरूम को परिरक्षित करने का सबसे पुराना एवं सस्ता तरीका है धूप में सुखाना।

गर्म हवा में सुखाना कारगर उपयोग है जिसके द्वारा मशरूम को डिहाइड्रेटर (स्थानीय रूप से तैयार उपस्कर) नामक उपस्कर में सुखाया जाता है मशरूम को एक बंद कमरे में लगे हुए तार के जाल से युक्त रैक में रखा जाता है तथा गर्म हवा (500 से 550 से) 7-8 घंटे तक रैक के माध्यम से गुजरती है।

मशरूम को सुखाने के बाद इसे वायुसह डिब्बे में स्टोर किया जाता है अथवा 6-8 माह के लिए पोलीबैग में सील कर दिया जाता है। पूरी तरह से सोखने के उपरांत मशरूम अपने ताजे वजन से कम होकर एक से घट कर तैरहवां भाग रह जाता है जो सुरक्षा के आधार पर अलग-अलग होता है। मशरूम को ऊष्ण जल में भिगोकर आसानी से पुन=जलित किया जा सकता है।

रोग एवं कीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) = यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

नियंत्रण =फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीट

मक्खियां =देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण = फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

कुटकी = ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण =घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

शम्बूक, घोंघा = ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण = क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

अन्य कीटाणु

5.कृन्तक = कृन्तकों का हमला ज्यादातर अल्प कीमत वाले मशरूम हाउसों पर पाया जाता है। वे अनाज की स्पॉन को खाते हैं तथा क्यूबों के अंदर छेद कर देते हैं।

नियंत्रण =मशरूम गृहों में चूहा विष चारे का इस्तेमाल करें। चूहों की बिलों को कांच के टुकडों एवं पलास्टर से बंद कर दें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अत=जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए।

जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है। मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

महाकुंभ : लाख कोशिशों के बावजूद सर चढ़कर बोली गंगा यमुनी तहजीब

निर्मल रानी

इस बार के महाकुंभ का जितना राजनैतिक दुरूपयोग करने की कोशिश की गयी और सनातन रक्षा के नाम पर धर्म विशेष को डराने धमकाने व इसी की आड़ में सत्ता में बने रहने के लिये अपने वोट बैंक को मजबूत करने का जो दुष्प्रयास किया गया उसे किसी धार्मिक आयोजन के नजरिये से कैसे देखा जा सकता है ?

सन् 2025 का बहुप्रतीक्षित महाकुंभ समापन की ओर है। 26 फरवरी अर्थात महाशिवरात्रि को अंतिम शाही स्नान के साथ ही कुंभ मेले का समापन हो जायेगा। इस बार का महाकुंभ कई बातों को लेकर पूर्व में आयोजित हो चुके कुंभ,अर्द्धकुंभ अथवा महाकुंभों से अलग था। इस बार के विशाल आयोजन को हाई टेक बनाने की जैसी कोशिश इस बार हुई वह पहले कभी देखी नहीं गयी। संगम तट के किनारे अति विशिष्ट व्यक्तियों के लिये टैंट के वी आई पी नगर बसाये गए। इनमें महाराज टेंट सिटी में एक कमरे का एक दिन का किराया औसतन रू.30000 था जबकि डोम सिटी में किराया 1 लख रुपए के आसपास था। करीब 3000 स्पेशल ट्रेन और बड़े शहरों से विमान उड़ानों की सुविधा रखी गयी। इतने बड़े आयोजन में छोटे बड़े हादसों की संभावना भी बनी रहती है। महाकुंभ 2025 भी इससे अछूता नहीं रहा। सुरक्षा के तमाम प्रयासों के बावजूद कुंभ मेले में अग्निकांड व भगदड़ जैसी संभावित घटनाओं को आखिरकार नहीं टाला जा सका।

परन्तु बड़े ही दुःख का विषय है कि इस बार का महाकुंभ जहाँ सत्ता के गुणगान व पी आर पर केंद्रित रहा वहीँ इस बार इसमें भाग ले रहे अनेक प्रमुख लोगों ने इस पवित्र आयोजन को साम्प्रदायिकता फैलाने व समाज में जहर बोने का माध्यम बनाने की भी कोशिश की। खासतौर पर इस आयोजन के एक वर्ष पूर्व से ही कुछ नये नवेले विवादित कथावाचकों द्वारा कुछ स्वयंभू संतों के साथ यह राग छेड़ा गया कि कुंभ आयोजन में मुसलमानों का व्यवसाय करना प्रतिबंधित हो। कई लोगों ने तो मुसलमानों के मेला क्षेत्र में प्रवेश वर्जित करने तक की बात की। परन्तु सूर्यकांत त्रिपाठी निराला,मोतीलाल,जवाहरलाल नेहरू,अकबर इलाहाबादी, हरिवंश राय बच्चन, सुभद्रा कुमारी चौहान, सुमित्रानंदन पंत, हरिप्रसाद चौरसिया,फिराक गोरखपुरी व महादेवी वर्मा जैसी अनेक महान हस्तियों की जन्म व कर्मस्थली रही इस संगम नगरी को शायद यह हरगिज गवारा नहीं था कि दुनिया को प्रेम सद्भाव व साम्प्रदायिक एकता का पाठ पढ़ाने वाले तथा देश की गंगा यमुनी तहजीब का केंद्र समझे जाने वाले इस

पवित्र प्रयागराज नगरी से साम्प्रदायिक दुर्भावना नफरत या वैमनस्य का कोई सन्देश जाये।

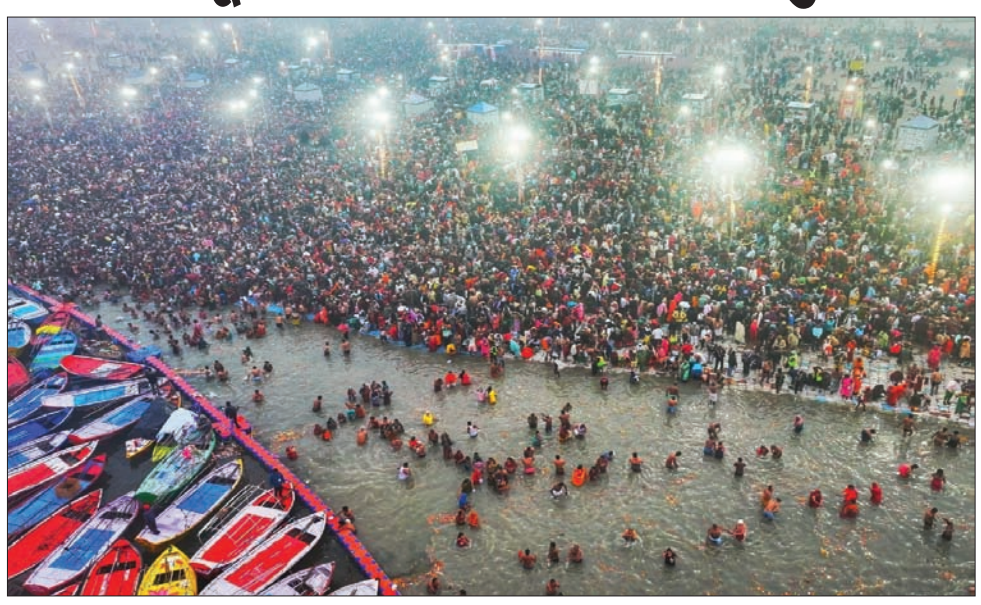

महाकुंभ के दौरान सत्ता संरक्षित इन साम्प्रदायिकता वादियों ने देश की एकता व सद्भाव को छिन्न भिन्न करने के लिये क्या कुछ नहीं किया? देश के अनेकानेक अतिवादी नेताओं व प्रवचन कताओं ने अपने भाषणों में जमकर धर्म विशेष के विरुद्ध विषवमन किया। हद तो यह है कि इस मेले में धारदार व नुकीले हथियार तक मुफ़्त बांटे गये। मीडिया व सोशल मीडिया पर तथा सत्ता के आई टी सेल द्वारा ऐसे नफरती क्लिप्स को जमकर प्रसारित किया गया। प्रयाग का मुसलमान भी बाहर से आने वाले नफरती चिंटुओं के नफरती भाषणों को सुनता व सहन करता रहा। परन्तु जब इसी महाकुंभ में 28 जनवरी की देर रात्रि लगभग डेढ़ बजे भगदड़ मची और उसके कुछ देर बाद कथित तौर पर संगम तट पर ही दूसरी जगह भगदड़ मची उसके पश्चात इलाहाबाद शहर ने जो भयावह दृश्य देखे वह कुंभ के इतिहास में पहले कभी नहीं देखे गये। देश से आये करोड़ों श्रद्धालु जब अनजान शहर की गलियों में व सड़कों पर असहाय अवस्था में भयंकर सर्द रात में भगदड़ की दहशत से परेशान होकर अपनी जान बचाने के लिये पनाह मांगते फिर रहे थे।जब वे भूख प्यास से तड़प रहे थे ,अपनी इज्जत आबरू जान माल बचाने की कोशिश में इधर उधर भटक रहे थे। उस समय यही विश्वविख्यात महाकुंभ साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव का अपना अलग इतिहास लिख रहा था।

उस संकटकालीन दौर में सरकार की कोशिश थी कि मृतकों की संख्या को कम से कम कर बताया जाये। भगदड़ के शुरूआती घंटों की सरकारी कवायद इसी प्रबंधन में व्यस्त रही। जबकि सरकारी तोते रुपी प्रवचनकर्ता यह कहते सुने गये कि भगदड़ में गंगा किनारे मरने वालों को मोक्ष प्राप्त हो गया। परन्तु उसी समय इलाहाबाद के मुसलमानों ने धरातल पर उतारकर वह कर दिखाया जिससे नफरत के सौदागरों की सारी कोशिशों पर पानी फिर गया। इलाहाबाद के भगदड़ प्रभावित क्षेत्र की सभी मस्जिदें,जामा मस्जिदें,इमामबाड़े,दरगाहें व मदरसे तथा यादगार ए हुसैनी जैसे कई मुस्लिम शैक्षणिक संस्थानों के दरवाजे पूरी तरह खोल दिए गये। हजारों स्थानीय मुसलमानों ने परदेसी श्रद्धालुओं को अपने अपने घरों में पनाह दी। उन्हें नाश्ता,भोजन,गर्म कपड़ा,कंबल, दवाई आदि सब कुछ उपलब्ध कराया। सैकड़ों जगहों पर मुसलमानों द्वारा सार्वजनिक लंगर लगाये गए। और लगभग एक सप्ताह तक देश भर के परेशान हाल श्रद्धालुओं की कुंभ नगरी के स्थानीय मुसलमानों द्वारा दिल खोलकर मेहमाननवाजी की गयी। इसी तरह गत दिसंबर में जब श्रीनगर-सोनमर्ग राजमार्ग में भारी बर्फबारी के कारण हजारों पर्यटक कश्मीर घाटी में फँस गए थे उस समय भी कश्मीर के मुसलमानों ने मस्जिदों व मदरसों के दरवाजे खोल दिए थे । उन्हें अपने घरों में पनाह देकर खाना गर्म पानी आदि सब कुछ मुहैय्या कराया था। देश में ऐसे और भी हजारों उदाहरण हैं जो हमारी सांझी तहजीब व संस्कृति का सुबूत पेश करते हैं।

इस बार के महाकुंभ का जितना राजनैतिक दुरूपयोग करने की कोशिश की गयी और सनातन रक्षा के नाम पर धर्म विशेष को डराने धमकाने व इसी की आड़ में सत्ता में बने रहने के लिये अपने वोट बैंक को मजबूत करने का जो दुष्प्रयास किया गया उसे किसी धार्मिक आयोजन के नजरिये से कैसे देखा जा सकता है ? परन्तु स्थानीय मुसलमानों ने सेवा सहयोग भाईचारा व सद्भाव की जो मिसाल पेश की है दरअसल वही साधु संतों फकीरों व औलियाओं का धर्म है। वही धर्म नानक खुसरो चिश्ती फरीद बुल्लेशाह व निजाम जैसे फकीरों का धर्म है और वही रसखान,जायसी रहीम व कबीर का भी । वीर शिवाजी से लेकर अकबर तक के अनेक मानवतावादी शासकों की धर्मनिरपेक्ष शासन व्यवस्था ही असली भारतीय धर्म है। न कि धर्म व सम्प्रदाय के आधार पर नफरत बहिष्कार भय व नफरत का प्रसार। महाकुंभ के इतिहास में प्रयागराज का महाकुंभ 2025 हमेशा इसलिये भी याद रखा जायेगा कि नफरत फैलाने की लाख कोशिशों के बावजूद प्रयागराज में गंगा यमुनी तहजीब सर चढ़कर बोलती दिखाई दी।

संपादकीय

कड़ी चुनौती

बजट में सरकार ने कृत्रिम मेधा यानी एआई के लिए पांच सौ करोड़.रुपये का प्रावधान करने का ऐलान भले ही कर दिया परंतु वह अपने ही कर्मचारियों को एआई के प्रयोग से रोक रही है। वित्त मंत्रालय ने अपने अधिकारियों को दफ्तर के कंप्यूटर व अन्य उपकरणों में चैटजीपीड़ी व ड़ीपसीक जैसे एआई टूल व एप ड़ाउनलोड़ न करने का निर्देश दिया है। सरकारी डेट्रा व दस्तावेजों की गोपनीयता से जुड़े.जोखिम को ध्यान रखते हुए यह कदम उठाया गया बताया जा रहा है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब ऑस्ट्रेलिया व इटली जैसे देश गोपनीयता व सुरक्षा के कारण अपने आधिकारिक सिस्टम को चीनी एआई कंपनी ड़ीपसीक से संरक्षित करने की घोषणा की है। हालांकि इस दरम्यान ओपनएआई के संस्थापक व सीईओ भारत पहुंच रहे हैं। वे सरकारी अधिकारियों व उद्योगपतियों से मिलेंगे। हो सकता है, इस तरह की आशंकाओं का समाधान करने के प्रति वे सुझाव दें या इस मसले का हल निकालने के प्रति आश्वासन दें। ड़ीपसीक के किफायती टूल के दुनिया भर में प्रचलित होते ही इन्हें पहले ही तगड़ा झटका लग चुका है। हालांकि पूरी दुनिया भर के विशेषज्ञ अभी एआई के लाभों व नुकसान को लेकर आकलन करने में जुटे हुए हैं। इसकी गति, दक्षता, उपलब्धता, बेहतर निर्णय लेने की

क्षमता, ज्ञान व तत्काल निर्णय लेने की क्षमता बेहतरीन है। अंदेशा व्यक्त किया जा रहा है कि एआई मनुष्यों की प्रतिभा, क्षमता, निर्णयों, उत्पादकता व रचनात्मकता को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। गूगल, जी-मेल, मोबाइल फोन, व्हाटसएप जैसी टेक्नोलॉजी के प्रयोग पर सख्ती करना लाजमी नहीं रहा। इन सबसे भी गोपनीयता को खतरा हो सकता है। जब अतिसंवेदनशील व गोपनीय सूचनाएं कागजों तक सीमित थीं, तब भी उन्हें चुराने या नकल की हेरा-फेरी करने वाले अपनी मंशा में सफल हुआ करते थे। कुछ समय पहले ड़ॉर्क बेव पर अस्सी करोड़. भारतीयों की निजी जानकारी चुराने के आरोप लगे थे। सतर्कता बेहद जरूरी है मगर हम अपनी ऐसी कोई व्यवस्था बनाने के प्रति अब तक सफल नहीं हैं, जो देसी हो और जिसका सारा प्रभुत्व हमारे हाथ हो। एआई का दायरा जिस तेजी से प्रसारित हो रहा है, उसके प्रचलित होने पर पाबंदी लगाना बेहद मुश्किल हो सकता है। यह तकनीकी चुनौती है, जिससे जीत पाना नामुमकिन है।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता। मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है।

वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है।

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

दिल्ली के सिंघासन पर किसकी होगी ताजपोशी

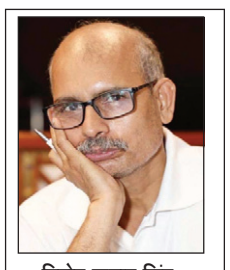

विनोद कुमार सिंह

देश की राजधानी में विगत दिनों दिल्ली विधान सभा 5 फरवरी को सम्पन्न होने के शाथ चुनावी समर का शोरगुल शांत हो गया है, लैकिन राजनीतिक दलों के नेता, कार्यकर्ता व समर्थक के मध्य चिन्ता, चिन्तन व चर्चा का दौर जारी है कि दिल्ली के सिंघासन पर किसकी होगी ताजपोशी। आप, भाजपा या कांग्रेस? आम आदमी पार्टी की सता बचा पायेगी या भाजपा अपने 27 बर्षो के वनवास को समाप्त करेगी या काँग्रेस जीत का स्वाद चखकर अपने पार्टी व कार्यकत्ताओं को संजीवनी दे सकेगी सर्व विदित रहे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के 70 सीटों पर 5 फरवरी को चुनाव हुए। चुनाव समाप्त होते ही टी वी चैनल खास कर खबरिया चैनल की एंकरो ने एग्जिट पल के बोतल मे बन्द जीन खोल कर अपनी आकाओं वाली पाटियों के गुनगान करने लगे जैसे इन्हीं टीवी न्युज एंकरो नें सरकार बनाने लगी। एग्जिट पोल के नतीजों में ज्यादातर पोल्स ने भाजपा की सरकार बना दी है। आम आदमी पार्टी (आप) अपनी हैट्रिक जीत से चूकती हुई नजर आ रही है। हालांकि कुछ एग्जिट पोल आम आदमी पार्टी की वापसी का अनुमान लगा रहे हैं और कुछ टक्कर का मुकाबला बता रहे हैं। आप को याद होगा कि वर्ष 2020 के दिल्ली चुनावों में अधिकांश एग्जिट पोल की भविष्यवाणियां गलत साबित हुई थी। वही हाल ही में सम्पन्न हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों में भी एग्जिट पोल गलत साबित हुए। जहाँ तक मतदान के प्रतिशत का सवाल है। तो मै स्पष्ट कर दूँ कि चुनाव आयोग के अधिकारिक वेबसाइट के अनुसार इ दिल्ली में इस बार 60.40 फीसदी मत पड़े है वही 2020 के विधान सभा चुनाव में यह आंकड़ा 62.55 फीसदी था। इन आकंड़ से साफ है कि दिल्ली में पिछली बार के मुकाबले इस साल 2.15 फीसदी कम वोट पड़े हैं। अगर 2013, 2015 विधानसभा चुनाव के भी आंकड़ो को देखें तो इस बार सबसे कम वोटिंग हुई है। इसका मतलब है कि 2013 के बाद से सबसे कम वोटिंग इस साल (2025) के चुनाव में हुई है। आप को याद दिलाना चाहूंगा कि आम आदमी पार्टी का उदय 2013 में हुआ था व आप ने पहली बार चुनाव 2013 में ही लड़ा। उस वक्त चुनाव में 2008 की तुलना में करीब 8 फीसदी वोटिंग ज्यादा हुई थी। इसके कारण से कांग्रेस हारी थी और आप को फायदा हुआ था। जिसके परिणाम स्वरूप विधानसभा त्रिशंकु था। चुनाव के बाद कांग्रेस और आप ने मिलकर सरकार बनाई थी मगर यह सरकार ज्यादा दिन तक नहीं टिक सकी। 2015 के किसी भी एग्जिट पोल ने आप को 60 सीटों का आंकड़ा पार करते नहीं दिखाया था और हाँ उस वक्त केवल एक ही भविष्यवाणी की गई थी कि पार्टी 50 से ज्यादा सीटें जीतेगी। एक्सिस माई इंडिया सर्वे ने आप के लिए 53 सीटों का अनुमान लगाया था और यह वास्तविक नतीजों के सबसे करीब था। पुनः 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में आठ एग्जिट पोल ने 54 सीटों के साथ आप की शानदार जीत की भविष्यवाणी की थी, भाजपा को 15 सीटों पर और कांग्रेस को लगभग शून्य पर रखा था। एग्जिट पोल की सटीकता पहले की तुलना में काफी बेहतर साबित हुई थी, क्योंकि आप ने 62 सीटों और वीजेपी ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं कांग्रेस ने तो अपना खाता भी खोल पाया था। जहाँ तक दिल्ली में सता के सिंघासन पर ताजपोशी का सवाल है तो इसका फैसला तो दिल्ली की जागरूकता जनता ने अपना फैसला मतपेटियों में डालकर वह निशचिन्त हो गई। असली तस्वीर तो 8 फरवरी को मतगना वाले दिन ही होगे जिसके लिए अभी इंतजार करना होगा कि दिल्ली की सत्ता के सिंघासन पर ताजपोशी किसकी होगी।

परीक्षा में अंकों की भागदौड़.क्यों

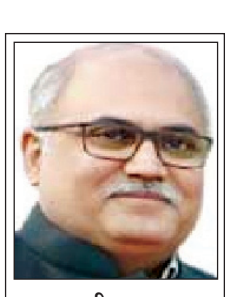

रजनीश कपूर

देश में वार्षिक परीक्षाएं छात्रों के भविष्य को निर्धारित करने का प्रमुख माध्यम हैं, लेकिन हाल के वर्षों में, शिक्षा का मूल उद्देश्य ज्ञान अर्जन से हटकर केवल उच्च अंक प्राप्त करने तक ही सीमित होता जा रहा है। खासकर देहाती क्षेत्रों के विद्यार्थी अब नियमित कक्षाओं में पढ़ने की बजाय कोचिंग सेंटरों पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं, क्योंकि वहां कम समय में अधिक अंक प्राप्त करने के आसान तरीके बताए जाते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल शिक्षा प्रणाली को प्रभावित कर रही है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के समग्र विकास के लिए भी एक चुनौती बनती जा रही है।

देश के गांवों के छात्रों में एक नई होड़ देखी जा रही है। देहाती छात्र काफी मात्रा में विद्यालय से विमुख हो रहे हैं। इसके पीछे शिक्षा प्रणाली की कई खामियां जिम्मेदार मानी जा सकती हैं। इनमें अहम हैं ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की कमी, कमजोर आधारभूत संरचना और अपर्याप्त शिक्षण सामग्री के कारण विद्यार्थी नियमित कक्षाओं में रुचि नहीं लेते। इसके अलावा कोचिंग संस्कृति का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि छात्रों को लगता है कि विद्यालय में पढ़ने की तुलना में कोचिंग सेंटरों में परीक्षा के लिए विशेष तरीके सिखाए जाते हैं। जिससे वे कम समय में अधिक अंक प्राप्त कर सकते हैं। यह धारणा दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। इतना ही नहीं गांव के भोले-भाले युवकों को लुभाने की मंशा से कई कोचिंग सेंटर यह दावा भी करते हैं कि वे छात्रों को परीक्षा में अधिक अंक दिलाने में मदद करेंगे, जिससे अभिभावक भी अपने बच्चों को विद्यालय भेजने की बजाय कोचिंग में दाखिला दिलाने के लिए प्रेरित होते हैं। ऐसा भी देखने में आया है कि ग्रामीण इलाकों के कई सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी या उनकी लापरवाही के कारण कक्षाओं का स्तर गिरता जा रहा है। ऐसे में छात्र कोचिंग का विकल्प चुनने को मजबूर हो जाते हैं। आज से कई वर्ष पूर्व 'थ्री इडिअट्स' फिल्म में भी यह दिखाया गया था कि अधिक अंकों की होड़ का छात्रों पर काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जबकि होना यह चाहिए कि अगर हर नौजवान को अपने दिल की आवाज सुनकर अपनी जिंदगी की राह तय करनी चाहिए। केवल ज्यादा पैसे कमाने के लिए बिना समझे रट्टा मारने वाले कोल्हू के बैल ही होते हैं। जिनकी जिंदगी में रस नहीं आ पाता। यही कारण है कि आईआईटी जैसी प्रतिष्ठित संस्थानों से पढ़कर सैकड़ों नौजवान आज देश में ऐसे काम कर रहे हैं जिसका उनकी डिग्री से कोई लेना देना नहीं है। मसलन झुग्गियों में बच्चों को पढ़ाना, आध्यात्मिक आन्दोलनों में भगवद्गीता का प्रचारक बनना या गांव के नौजवानों के लिए कुटीर उद्योग स्थापित करने में मदद करना। दूसरी तरफ इंजीनियरिंग की डिग्री की भूख इस कदर बढ़ गई है कि एक-एक शहर में दर्जनों प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज खुलते जा रहे हैं। जिनमें दाखिले का आधार योग्यता नहीं मोटी रकम होता है। इन कॉलेजों में योग्य शिक्षकों और संसाधनों की भारी कमी रहती है। फिर भी यह छात्रों से भारी रकम फीस में लेते हैं। बेचारे छात्र अधिकतर ऐसे परिवारों से होते हैं जिनके लिए यह फीस देना जिंदगी भर की कमाई को दांव पर लगा देना होता है। इतना रुपया खर्च कर-के भी जो डिग्री मिलती है उसकी बाजार में कीमत कुछ भी नहीं होती। तब उस युवा को पता चलता है कि इतना रुपया लगाकर भी उसने दी गई फीस के ब्याज के बराबर भी पैसे की नौकरी नहीं पाई। तब उनमें हताशा आती है। इसलिए समझ की बजाय रटने की प्रवृत्ति को समाप्त करने में ही समझदारी है, लेकिन देखा यह गया है कि कुछ कोचिंग संस्थान परीक्षा पास कराने के लिए रटने पर जोर देते हैं, जिससे छात्रों की तार्किक और विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित नहीं हो पाती। ऊपर से कोचिंग सेंटरों की बढ़ती फीस ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए अतिरिक्त बोझ बन रही है। सोचने वाली बात यह है कि जब छात्र स्कूल की पढ़ाई को महत्त्व नहीं देते, तो विद्यालयों की गुणवत्ता और भी गिरती जाती है। वहीं परीक्षा में अच्छे अंक पाने के दबाव में कई छात्र नकल और अन्य अनुचित तरीकों का सहारा भी लेने लगते हैं। ऐसे में विद्यालयों की शिक्षा और गुणवत्ता में सुधार की बहुत जरूरत है।

परीक्षाओं को केवल अंकों के आधार पर तय करने की बजाय, प्रायोगिक ज्ञान, परियोजना कार्य और गतिविधि-आधारित मूल्यांकन को बढ़ावा देना चाहिए। शिक्षकों को इस बात पर विशेष जोर देना चाहिए कि उन्हें विद्यार्थियों को अंकों की होड़ में धकेलने की बजाय, उन्हें वास्तविक ज्ञान अर्जित करने और रचनात्मकता विकसित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी और समावेशी नहीं बनाया गया, तो यह प्रवृत्ति शिक्षा के व्यवसायीकरण को और अधिक बढ़ावा देगी। आवश्यक है कि विद्यालयों में गुणवत्ता सुधार के साथ परीक्षाओं में सफलता का मूल्यांकन केवल अंकों के आधार पर न किया जाए, बल्कि छात्रों की योग्यता और कौशल को ध्यान में रखा जाए। जब शिक्षा का असली उद्देश्य ज्ञानार्जन बनेगा, तभी समाज का वास्तविक विकास संभव होगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

What went wrong in DC's crowded skies

The January 29 cold evening mid-air collision between a US army Black Hawk UH-60 chopper and an American Airlines Bombardier CRJ700 regional jet outside of Reagan National Airport, Washington DC, which killed all aboard both the flying machines, has brought the question of flight safety back on the public platform.While no conclusion can be arrived at before the completion and revelation of the accident inquiry report, it, nevertheless, is plausible to build a scenario to understand the nuances of flight safety, which is of universal applicability and relevance.First, aviation is an inherently unforgiving world wherein only the champion lives to fly another day and the runner-up has no place whatsoever. Hence, even the slightest of an error by man or the tiniest of machine malfunction could be fatal. This makes an accident either avoidable or unavoidable. However, no mid-air collision normally can be termed unavoidable because, prima facie, it's got to be avoidable unless proved otherwise.Thus, the provisional verdict of the January 29 air accident over the Potomac river of Washington DC is that it was avoidable. How? Visualise the descent of the Bombardier passenger aircraft. Gliding down to the 5,204-foot runway 15/33 at the approach speed of 140 km per hour under air traffic controller (ATC) guidance, the passenger craft was allegedly rammed into by an army helicopter at an altitude which is much above and beyond its designated and prescribed altitude. Consequently, both the vertical and horizontal separation of the two flying machines turned into a common fireball.

Indisputably, therefore, whereas the passenger aircraft was following the descent procedure through the ATC, the army craft had gone astray. What failed? Man or machine? Understandably, the US aviation, along with other non-American operators, is in a tizzy, owing to it being the US capital city airport, in the vicinity of the dwellings of rulers of the superpower.Hereinafter, we need not go further into the realm of speculation but await the accident inquiry findings on the "what, how, why" and other nitty-gritties of circumstances and factors leading to the mishap and future remedial actions. The moot point, nevertheless, is the ambience of flight operations in and around Washington DC Reagan National Airport, which handles more than 800 flights per day, making it one of the busiest and most crowded US airfields.

One can argue that since the DC airport has three runways to handle the traffic what could be the problem? Precisely! Those three runways are the problem because none of them runs parallel to each other. All three intersect each other. It is like the Mumbai airport's 11,447-foot main runway 27-09 being cut through the middle by a shorter 9,810-foot 14-32 runway. Fortunately, the shorter Mumbai runway isn't yet as busy as the DC one owing to difficult flight manoeuvre from either side, for both take-off and touchdown for bigger and heavier aircraft. Else, life could be a nightmare for both air traffic control and operating flying crew in Mumbai. Hence, the Mumbai 27-09 (East-West axis) Thane Creek-to-Arabian Sea runway remains the mainstay of the metropolis airport.

Coming back to the DC Reagan airport, the mid-air collision has opened a Pandora's box as volcanic eruptions from various quarters have made things acutely embarrassing for the US government, led by an irrepressible and mercurial new President of the US (POTUS), Donald Trump.True to his style, the POTUS has been disdainful towards the mishap. Taking a political potshot, he has blamed the "diversity, equity, inclusion" policy of his predecessor. He has, thereby, given cover to technical failure even before deciphering the causes and consequences of man-machine-weather factors leading to the air disaster in the periphery of the airport.

Understandably, Captain Cheasley Sullenberger — considered a national hero of the January 15, 2009 Airbus flight ditching at the Hudson river following a twin-engine failure after take-off from New York's La Guardia runway (wherein all of the 155 aboard survived) — hit back at the POTUS with three words: "Not surprised, disgusted."

Sowing discontent: Budget cuts threaten farm sustainability

The increase in the Kisan Credit Card credit limit will result in increased debt for farmers.

The allocation for various sections of agriculture in the 2025-26 Union Budget is a mixed bag. There are incremental improvements in credit access, research and specific crop-focussed missions. But the overall reduction in budgetary allocation, capital expenditure and lack of focus on climate resilience and rural infrastructure raises serious concerns.

The success of government efforts will depend on effective fund utilisation, transparent implementation and timely interventions to address agricultural distress. Without addressing these issues, achieving sustainable growth in the farm sector may remain a challenge.

Farmers have been agitating for purchase at minimum support price (C2+50 per cent) since 2017, but the government has not made any allocation in the Budget for the legal guarantee of purchase and loan waiver.

This Budget will make farmers more indebted. The government has waived Rs 16 lakh crore of corporates' loans, but Finance Minister Nirmala Sitharaman has not waived farmers' loans worth Rs 16,000 crore. The increase in the Kisan Credit Card credit limit will only result in increased debt for farmers. The government should have taken steps to reduce their indebtedness.

The Finance Minister spoke repeatedly about increasing the production of pulses in the country. We need to do this quickly. But I don't see this happening in the near future unless farmers are assured of remunerative prices for crops. They made the country self-sufficient in wheat and paddy production. But, in the absence of MSP for many other crops, their incomes have gone down, along with the water tables in Punjab and Haryana. This is a big disincentive and will make farmers wary of sowing pulses.The minister spoke of agriculture as the first engine of growth. In the northern region, Haryana and Punjab are the leading agrarian states and Himachal Pradesh and J&K major producers of fruits and vegetables. The hill states have good tourism potential, too. Unfortunately, all these sectors have been accorded a low priority. The minister has rejected all recommendations of the Agriculture Parliamentary Committee.The PM-KISAN scheme allocation remains unchanged despite the rising input costs for farmers. With inflation and the increasing cost of fertilisers, seeds and labour, the stagnation in the PM-KISAN support could reduce its real impact.The agriculture sector employs more than 60 per cent of the working population and contributes 18 per cent to the country's GDP. The allocation for agriculture is Rs 1.71 lakh crore, which is only 3.37 per cent of the total budget of Rs 50.65 lakh crore.If the farmers' income is to be doubled, the agriculture sector will have to grow at the rate of 12-to-14 per cent. To make India a developed country by 2047, the GDP should also grow at the rate of 8 per cent. Agriculture investment should be around 10 per cent of the total budget expenditure.The cut in the allocation for fertilisers is likely to impact the fertiliser subsidy. This year, the allocation isRs 1,56,502.44 crore as compared to the last financial year's revised estimates of Rs 1,83,003.29 crore.he new initiatives like the National Mission on High-Yielding Seeds and the Mission for Cotton Productivity are promising, but there is no clear roadmap or fund allocation breakdown to ensure effective implementation of the schemes.A mission for fruits and vegetables has also been planned. But in view of the earlier programme for tomato, onion and potato (TOP) — which was later expanded and termed Greens — not showing much results, it will be interesting to see whether this thrust helps achieve the desired results.

The Finance Minister allocated Rs 41,000 crore to J&K, which is down from

Rs 42,277.74 crore from the current financial year. This region requires far more for recovery and growth.

The Budget fails to address specific challenges faced by farmers in states like Punjab and Haryana, where crop diversification, water scarcity and increasing input costs remain pressing issues. The measures are seen as generic and not targeted enough at regions with distinct agricultural needs.On May 12, 1994, Himachal Pradesh, Uttar Pradesh, Haryana, Rajasthan, Delhi and Uttarakhand had signed a water-sharing agreement for the Yamuna river. It was intended to resolve disputes over water-sharing among the states. Three multipurpose dams — one at Renuka (HP) and the Lakhwar-Vyasi Multi-Purpose Dam Project (MPDP) and Kishau Dam in Uttarakhand — were to be constructed. The Centre had to contribute 90 per cent of the cost and the state governments the remaining 10 per cent. All three projects were cleared by the authorities concerned. Work was started, but it has now been stalled at all these dams for reasons best known to the Centre. The Finance Minister has said nothing about this.

The health sector in the Union Budget 2025 has several gaps. The budget increases spending on tertiary care and physical medical infrastructure, but the PHCs, CHCs, civil hospitals and rural hospitals remain underfunded, affecting preventive care and early disease detection. The Budget also aims to add 10,000 new medical seats, but the shortage of trained faculty and inadequate infrastructure in medical colleges remain major obstacles.

The Budget does not adequately cover the challenges faced by the education sector in teacher recruitment, infrastructure and research support. Rural schools lack basic facilities like toilets, drinking water and electricity.

It is surprising that even after 78 years of independence, the government has not been able to provide clean drinking water and has asked for three more years to provide it. The figure presented by the government of having provided tap water to 80 per cent of the rural population is not true.

Justice at last

Rogue cops deserve no leniency

The wheels of justice have turned at a painfully slow pace for the families of Baldev Singh and Lakhwinder Singh, who were killed in a fake encounter in Amritsar in 1992. At long last, a special CBI court has paved the way for much-needed closure. Two former Punjab Police officers have been awarded life imprisonment for eliminating both youths, who were falsely branded as hardcore terrorists and framed in a murder case. 'Complete justice', however, has remained elusive: five of the accused died during the protracted trial, while two were acquitted. The horrifying truth came to light only after the CBI, acting on a Supreme Court order passed in 1995, took over the probe into large-scale cremation of unclaimed bodies by the state police. That was also the year when human rights crusader Jaswant Singh Khalra, whose biopic (Punjab '95) is mired in a censorship row, 'vanished' off the face of the earth. A

CBI investigation revealed that he was abducted, tortured and murdered by cops. Khalra was targeted because he knew too much about the 'disappearance' of Sikh youths during the era of militancy in Punjab.

Those were nightmarish times for the border state — the carte blanche given to the police to root out terrorism led to extra-judicial killings and other excesses. Terrorism was eventually eliminated, but not before thousands of innocent lives were lost. Many police officers have retired or died without getting their comeuppance.The verdict in the Baldev-Lakhwinder case should serve as a cautionary tale for rogue cops not only in Punjab but also across the country. Fake encounters continue to be a scourge as trigger-happy law enforcers opt for short cuts and 'instant justice'. Commendably, courts are sending a clear message of zero tolerance; the political class and the police authorities themselves must follow suit. At stake is the credibility of the guardians of law and order — and also the sanctity of Article 21, which guarantees every citizen the right to life and personal liberty.

Trump stirs the Gaza pot

Bizarre' has become the new byword in Washington under Trump

At first, the comments from US President Donald Trump sounded like a cross between random musings and disjointed ramblings. His desire to buy Greenland from the Danes, annex Canada as a great 51st state of America, reclaim the Panama Canal and rename the Gulf of Mexico, and his proclivity to deploy tariffs as an instrument of foreign policy weren't just bizarre. They harked back to the heyday of imperialism in the 19th century, to a time when foreign territories could be conquered, bought or sold without any reference to the local inhabitants and mercantile economics ruled the roost.The reactions from shocked friends and neighbours about the hostile acquisition bids came in fast and furious, while friendly souls in Washington DC tried to figure out which part of which comment could possibly be interpreted as Version 2.0 of Trump's The Art of the Deal.'Bizarre' has become the new byword in Washington. The President's February 4 remarks on Gaza as he stood alongside Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu in the White House were par for the course. In the formal setting of a White House joint press briefing and while reading from a written text, Trump declared, "The US will take over the Gaza Strip and we'll do a job with it, too … we'll own it and be responsible…. We're going to take over that piece, and we're going to develop it."For good measure, he added that he saw it as a "long-term ownership position" and that "this was not a decision made lightly". As Netanyahu smirked with visible satisfaction, Trump went on to say that he expected Jordan and Egypt to take in some 2.3 million displaced Palestinians from Gaza and that he was confident of persuading King Abdullah II and President El-Sisi to do so, having previously hinted that US aid gave him the necessary leverage over them.But this wasn't the usual case of random Trump musings. The intent had been telegraphed in comments over the past week. And it was taken seriously enough for a group of Arab foreign ministers, including those of Jordan and Egypt, to issue a joint statement from Cairo on February 1 that any plan that encouraged the "transfer or uprooting of Palestinians from their land" would threaten stability in the region, spread conflict and undermine prospects for peace.

The Saudi foreign office responded with a late-night response to Trump's comments, reaffirming Riyadh's "complete rejection of any infringement on the legitimate rights of the Palestinian people, whether through Israeli settlement policies, annexation of Palestinian lands or attempts to displace the Palestinian people from their land."The statement added, "The duty of the international community today is to work to alleviate the severe human suffering that has been inflicted upon the Palestinian people, who will remain committed to their land and will not move from it."Trump's comments have pushed Egypt into a tight situation, even though President El-Sisi has been a strong and consistent partner of the US. It was Egypt's initiative under then President Anwar Sadat that brought about the Camp David Accords in 1978 to end the state of war and establish full diplomatic relations with Israel. But instead of reaping the peace dividend, Egypt has found itself in the unenviable position of being called in to clean up the mess after every Israel-Gaza conflict — in 2008, 2014, 2018 and since October 7, 2023. Over the past 15 months, Egyptian intelligence officials have worked closely and without fanfare with counterparts from Qatar, Israel and the US to work out the contours of the ongoing ceasefire and concurrent release of Israeli hostages and Palestinian prisoners. The threat that Egypt must take displaced Palestinians has caused a real worry

that Trump's needless provocations not only threaten Egypt's nascent economic recovery but that inflamed passions may even affect the political stability of the largest country in the Middle East.Jordan, another staunch ally of the US, finds itself in a similar quandary. As a result of the Naqba of 1948 and the 1967 war, the country has already received two large waves of Palestinian refugees, which, according to some estimates, amount to 50-60 per cent of its population of 11 million. The suave and erudite King Abdullah II will have a real challenge on his hands as he meets President Trump in the White House on February 11.

Beyond these immediate concerns in Egypt, Jordan and the larger Arab world are a flood of questions that defy a rational explanation. Images of tens of thousands of Palestinians streaming towards their destroyed houses in northern Gaza following the ceasefire suggest that they intend to rebuild their lives in a place called home. Trump has suggested that he could bring in US troops to implement his plans if he has to.Has the Trump administration considered the legality of a forced displacement of people? Is the displacement temporary or permanent? How would they force the Palestinians out against their wishes? Bomb them to extinction, a la Israel? Will the US also support Netanyahu's ambition to annex the West Bank? And has Trump looked at the possibility of getting drawn into another forever war despite his own promise to extract the US from such conflicts? How does that play with the isolationist preference of his MAGA supporters?Trump is keen to deport illegal migrants and close his country's borders, but wants Egypt and Jordan to generously take in a couple of million. Who pays to resettle them? Who pays to create the Riviera of the Middle East that Trump has suddenly visualised in Gaza? Private capital and real-estate developers for a grand waterfront development, as Trump's son-in-law Jared Kushner speculated? After all the pain and suffering endured by the Palestinians, is Gaza now reduced to a pure real-estate play?At the Jaipur Literature Festival last week, the moral clarity of Gideon Levy and Nathan Thrall, the scholarship of Avi Shlaim, the empathy of Pankaj Mishra and the passionate articulation of Selma Dabbagh resonated with a well-read audience to produce just a tiny sliver of hope. With Trump's pronouncements of February 4, a shroud has again been cast on Palestinian aspirations.

Stock markets open flat as investors await RBI policy decision; ITC down 2%

New Delhi Benchmark stock market indices opened flat on Friday as investors waited for key policy decision announcements by the RBI Monetary Policy Committee (MPC).The S&P BSE Sensex was down by 23.98 points to 78,034.18, while the NSE Nifty50 lost 7 points to 23,596.35 as of 9:35 AM.

Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that today the market will be focused on the policy response from the MPC, particularly the message from the new RBI chief."Even though the INR depreciation doesn't provide the favourable macro construct for a rate cut, the market expects the MPC to vote for a rate cut today, providing a monetary stimulus complementing the fiscal stimulus given in the Budget. Since a 25 bp rate cut is partly discounted by the market, there can be a sell off if the rate cut doesn't materialise," he added.There is only limited upside for the market since the FIIs have gone back to selling mode after one day of symbolic buying. Apart from financials, IT and pharma stocks will continue to be the focus of DIIs

EPFO settles 5 crore claims worth over Rs 2L crore in Fy25

BENGALURU. The Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) has processed over 5.08 claims, for the first time, amounting to Rs 2,05,932.49 crore in FY25.

Labour Minister Mansukh Mandaviya on Thursday said auto claim settlements doubled to 1.87 crore claims in the current financial year, compared to 89.52 lakh auto claims processed during the entire FY24.The minister highlighted the milestone and said this has been made possible due to a series of transformative reforms initiated by the employees' retirement fund to enhance claim settlement processes.In FY24, the retirement fund body processed 4.45 crore claims worth Rs 1,82,838.28 crore. A statement from the labour ministry said that reforms in the PF transfer claim submission process have streamlined the workflow significantly.Since the launch of a simplified transfer claim application, only 8% of transfer claims now require member and employer attestation. About 48% of claims are submitted directly by members without employer intervention, while 44% of transfer requests are generated automatically, it added.

The minister said, "Since the introduction of simplified procedure, about 97.18% of member profile corrections have been self-approved by members, with 1% requiring employer approval, and office intervention has been reduced to just 0.4%.The rejection cases have dropped to 1.11% by the employer and 0.21% by the regional office, reflecting effectiveness of streamlined processes and reduced procedural bottlenecks in claim settlements." He said the EPFO will continue to leverage tech and process simplification to ensure a seamless and efficient service experience.

Airtel net profit up 505% to Rs 14,781 crore; ARPU rises to Rs 245

NEW DELHI. Bharti Airtel, country's second-largest telecom service provider, reported a 505% surge in net profit, reaching Rs 14,781 crore for the quarter ending December 31, 2024.The telco's net profit was Rs 2,442 crore in the same period last fiscal. The company recorded a one-time gain of Rs 7,546 crore during the reporting quarter, primarily due to the consolidation of a majority stake in Indus Towers.

The company's consolidated revenues for Q3FY25 stood at Rs 45,129 crore, marking a 19.1% year-on-year (YoY) growth and an 8.8% quarter-on-quarter (QoQ) rise.

India revenues for the quarter totalled Rs 34,654 crore, reflecting a 24.6% YoY rise and a 9.8% QoQ growth. The company's EBITDA for the quarter was Rs 19,850 crore, a 32.3% YoY rise, with an EBITDA margin of 57.3%."We delivered another consistent quarter with consolidated revenue of 45,129 crore. Indus Towers consolidation is effective this quarter. India revenue (excluding Indus) grew by 4.8% sequentially. Africa maintained strong constant currency sequential growth trajectory of 5.6%," said Gopal Vittal, Vice-chairman and MD of Bharti Airtel.

The company improved its average revenue per user (ARPU) to the highest level among its competitors at Rs 245 in Q3, up from Rs 208 in Q3FY24. The telco added 0.6 million postpaid users in Q3FY25, thereby increasing its customer base to 25.3 million. Its market share in the smartphone segment saw improvement, with an addition of 25.2 million users, a 10.3% YoY rise. Overall, it added 4947000 customers in the quarter.The telco rolled out nearly 5,200 towers and about 16,300 mobile broadband stations in Q3. It also stated that its anti-SPAM tool has brought significant relief, notifying close to 252 million unique customers and effectively combating the SPAM menace. Powered by Airtel's AI-driven network, it identifies over 1 million unique spammers, making more than 130 million calls daily.

Smartphone segment market share improves

Its market share in smartphone segment saw improvement, with an addition of 25.2 million users, a 10.3% YoY rise. It added 4947000 customers in Q3. The telco rolled out 5,200 towers and about 16,300 mobile broadband stations in Q3. It stated that its anti-SPAM tool has brought major relief, notifying close to 252 million unique customers and combating the SPAM menace.

RBI cuts repo rate: 6 key takeaways from MPC announcement

The central bank has announced a reduction in the repo rate by 25 basis points for the first time in nearly five years.

New Delhi The Reserve Bank of India (RBI) has declared a reduction in the repo rate. The announcement was made by Sanjay Malhotra, in his first key address after being appointed as the RBI Governor in December last year.That said, the following are the six key announcements from the MPC meeting:The central bank has announced a cut in the repo cut by 25 basis points to 6.25% from 6.5%. As a result, the standing deposit facility (SDF) rate stands at 6%, while the marginal standing facility (MSF) rate and the Bank Rate are now at 6.50%.Radhika Rao, Executive Director and Senior Economist, DBS Bank said, "The RBI monetary policy committee voted unanimously for a 25 bps rate cut, backed by a cautious view on growth while winter disinflation in food is expected to limit price stability risks.""Notably, an emphasis on the flexibility of the inflation targeting framework suggests the MPC might be more tolerant of intermittent modest supply driven volatility. The GDP forecasts point to growth staying below 7% this year and the next," she added.

GDP OUTLOOK

With a reduction in the repo rate and an expected recovery in industrial activity and robust household consumption, along with positive business sentiments, the RBI has projected the real gross domestic product (GDP) at 6.7% for 2025-26.CHEAPER HOME LOANSWith a reduction in the repo rate, the rate of interest on home loans will witness a dip, thereby bringing much-needed relief to the homebuyers. This would give a boost to demand for housing and encourage investment in the real estate sector, benefitting both end-users and investors.

INFLATION OUTLOOK

The RBI mentioned that headline inflation eased during November-December 2024, as compared to 6.2% in October. The central bank anticipates core inflation to remain moderate. However, uncertainty in global financial markets and adverse weather conditions coupled with volatility in energy prices may pose a risk.Anticipating a normal monsoon in the coming year, the central bank has projected consumer price index (CPI) inflation for 2025-26 to be at 4.2%.RBI'S STANCE ON INDIAN ECONOMY

The central bank will continue with its neutral monetary policy stance owing to the global economy's slow pace of disinflation, ongoing geopolitical tensions, and policy uncertainties.

WOMEN EMPOWERMENT

The RBI in its endeavour to enhance women's role in financial decision-making and household budgeting, will launch a campaign titled "Financial Literacy: Women's Prosperity," commencing from February 24.

It has urged banks across the country to actively participate in the above-mentioned campaign to promote women's financial inclusion in the broader economic growth and stability.

Home loans to get cheaper as RBI cuts rates. Check details

NEW DELHI. The Reserve Bank of India's (RBI) Monetary Policy Committee (MPC) has cut the repo rate by 25 basis points to 6.25%. The announcement, made on Friday, marks the first rate cut since May 2020 and comes under the leadership of newly appointed RBI Governor Sanjay Malhotra.This decision means home loan interest rates will come down, bringing relief to homebuyers.The repo rate is the rate at which the RBI lends money to commercial banks. When the repo rate is reduced, banks can borrow funds at a lower cost, which often leads to cheaper loans for customers. With this latest cut, home loan EMIs are expected to decrease, making property purchases more affordable.Lower home loan interest rates will provide much-needed relief to homebuyers, making property purchases more affordable by reducing EMIs. This move is expected to drive demand for housing, boosting market activity and encouraging more people to invest in real estate. It also enhances confidence among both buyers and developers, leading to a stronger and more dynamic sector. Developers will benefit from easier access to funds, helping them complete projects faster and meet the rising demand," said Manju Yagnik, Vice Chairperson of Nahar Group and Senior Vice President of NAREDCO- Maharashtra.Before the announcement, analysts were uncertain about whether the RBI would lower the rate or keep it unchanged to manage inflation and maintain currency stability. However, with inflation appearing to be under control and economic growth remaining steady, the central bank decided to lower rates.

Cognizant Q4 net profit declines 2% to $546 million

BENGALURU. Cognizant on Thursday reported a 2.1% year-on-year decline in its net profit for quarter ended December 2024 to $546 million compared to $558 million in the year-ago period. The company follows a January-December calendar year.Its revenue in the December quarter jumped 6.8% to $5,082 million as against $4,758 million in the same quarter last year. The company's 2024 revenue stood at $19.7 billion and full-year operating margin was at 14.7%, an increase of 80 basis points YoY.In Q1 (Jan-March 2025), the company expects its revenue to be $5.0 - $5.1 billion, growth of 5.6-7.1%, or 6.5-8.0% in constant currency. Its employee count fell by 10,700 YoY to 3,36,800 in December 2024."We exited the year with momentum, closing a record 29 large deals during the year, highlighting the effectiveness of our strategy. In 2024, we accelerated investments in our AI-led platforms and added new capabilities with the acquisitions of Thirdera and Belcan, further strengthening and

diversifying our portfolio," said CEO Ravi Kumar S."Our focus on client centricity, agility and innovation is helping clients unlock next wave of hyper productivity and enterprise-grade generative AI adoption," he added. Its voluntary attrition - tech services on a trailing-twelve months basis was 15.9% as against 13.8% for the period ended December 31, 2023. "We ended the year strong, delivering an adjusted operating margin of 15.7% in Q4 and 20 basis points expansion for the full year, above our guidance."

Fortis deal: IHH seeks Rs 10,930 crore from Daiichi

IHH Healthcare, in October 2023 had filed a claim against Daiichi saying it caused losses to the company by preventing it from proceeding with open offers to buy a stake in Fortis Healthcare in 2018.

NEW DELHI. Malaysia's IHH Healthcare is seeking up to Rs 10,930 crore ($1.25 billion) in damages from Japan's Daiichi Sankyo for its involvement in Fortis Healthcare deal, the company said on Thursday.

Northern TK Venture (NTK), a subsidiary of IHH Healthcare, in October 2023 had filed a claim against Daiichi saying it caused losses to the company by preventing it from proceeding with open offers to buy a stake in Fortis Healthcare in

2018."The Board of Directors of IHH wishes to announce that NTK has submitted an additional brief on Feb 6, 2025, to the court. NTK has submitted the Feb 6, 2025, brief with an expert report by NTK's appointed expert, Osborne Partners ("OP"), which includes an analysis and quantification of the damages suffered by NTK based on three counterfactual scenarios had the open offers proceeded," said IHH Healthcare in a filing on Malaysian exchange.It added, "Based on OP Report, the amount of compensation being sought by NTK against Daiichi Sankyo ranges from Rs 4.24 billion (about RM 0.2 bn and JPY 7.8 bn at its lowest) to Rs 109.3 billion (RM 5.7 bn and JPY 199.8 billion at its highest), depending on what relevant parameters are applied."The upper bound of the damages of Rs 10,930 crore is an increase from the initial figure of JPY 20 billion ($131.46 million) set out in the 14 November 2023 Announcement. In the 6 February 2025 Brief, NTK reserves its rights to amend its claim for damages, including to add other heads of loss and/or to claim the costs of the legal fees it is seeking from Daiichi Sankyo, said IHH.IHH Healthcare, Asia's largest healthcare group, had bought a 31% stake in Fortis through NTK but halted its open offer to buy an additional 26% stake after Japanese pharmaceutical giant Daiichi filed a contempt plea against Fortis' founders - Shivinder Singh and Malvinder Singh.

No major cheer in the market after RBI repo rate cut

NEW DELHI. India's equity market benchmarks, the BSE Sensex and NSE Nifty 50, initially fell sharply following the RBI's announcement of a repo rate cut. However, the indices quickly rebounded and were trading with minor gains by 11:55 am.Amid high volatility, the Sensex fluctuated between a low of 77,730 and a high of 78,357, while the Nifty touched a low of 23,439.60 and a high of 23,694.50.

"Market reaction clearly shows that there was an expectation of even more easing in terms of liquidity and even change in stance. But note that the governor has pointed out proactive action on liquidity going forward to supporting growth," said Siddharth Chaudhary, Senior Fund Manager - Fixed Income, Bajaj Finserv AMCThe Monetary Policy Committee (MPC) of the Reserve Bank of India, led by Governor Sanjay Malhotra, cut the repo rate by 25 basis points to 6.25 per cent. This is the first-rate cut by the central bank in five years. This decision comes a week after the government decided to cut personal income tax to boost consumption. The announcement is also made amid a slowdown in India's economic and corporate earnings growth, falling rupee against the dollar, and global economic uncertainty, with US President Donald Trump imposing tariffs on Canada, Mexico, and China. These factors are currently weighing on market sentiments.

Sonam Srivastava, Founder and Fund Manager at Wright Research PMS said that given that retail inflation has softened to 5.22% in December, closer to the RBI's 4% target, there is potential for further easing if price pressures continue to moderate. "However, the central bank remains cautious, acknowledging risks such as volatile crude oil prices, global financial uncertainty, and fiscal measures introduced in the Union Budget," added Srivastava. He explains that the RBI will closely monitor inflationary trends and liquidity conditions. The neutral stance ensures flexibility in responding to evolving macroeconomic factors, including potential rate cuts by the US Federal Reserve and European Central Bank. Additionally, the RBI's commentary on credit flow, banking sector resilience, and fiscal policies will play a crucial role in shaping investor sentiment in the coming months.

"From a market perspective, this rate cut is expected to have a positive impact on rate-sensitive sectors. Banking and financial stocks may see increased credit demand, improving net interest margins in the near term. The real estate sector stands to benefit as lower interest rates on home loans could boost housing demand. Similarly, consumer durables and auto segments may experience higher sales, particularly in the premium category, as financing costs decline," stated Srivastava. Anil Rego, Founder and Fund Manager at Right Horizons said that NBFCs are better positioned to benefit from cuts in rates as credit growth will improve followed by banks. Also, credit-sensitive sectors like auto and real estate will see higher demand, he added. Rajeev Radhakrishnan, CIO - Fixed Income, SBI Mutual Fund said that while the rate cut was clearly subjective, the lack of specifics on liquidity could potentially impeded transmission. "While yields have moved up a bit, it is anticipated that the RBI would continue to ensure targeted infusion of liquidity over the coming months that should enable yields to stay anchored," said Radhakrishnan.

Shriram Ramanathan, CIO, Fixed Income, HSBC Mutual Fund said that RBI MPC disappointed the market by retaining stance at neutral (unanimously) and not announcing any specific new measures on liquidity injection.

"We expect the RBI MPC to deliver another 25bps cut at the April policy, while continuing to announce liquidity related measures as and when required on a "proactive" basis. While the initial reaction of bond markets has been one of disappointment, with yields inching up a few basis points, we believe interest rates will continue to soften over the next few months and retain our positive duration bias and outlook," added Ramanathan.

More Maharashtra voters than voting population. How? Rahul Gandhi asks poll body

Rahul Gandhi, addressing a press briefing with Sanjay Raut and Supriya Sule, claimed in the five months between the Lok Sabha and Assembly polls, 39 lakh new voters were added in Maharashtra.

- Petition demands immediate online publication of Form 17C post-poll
- PIL filed by Congress MP Kishori Lal Sharma and spokesperson Alok Sharma
- Form-17C details votes cast, aiding transparency and legal challenges

New Delhi. Leader of Opposition Rahul Gandhi on Friday claimed discrepancies in the voter list of Maharashtra, where the Congress-led alliance was routed in the polls, saying the number of voters was more than the state's adult population. Addressing a press conference with Sena (UBT) Sanjay Raut and NCP-SP MP Supriya Sule by his side, Gandhi claimed that in the five months between the Lok Sabha and Assembly polls, 39 lakh new voters were added in Maharashtra.Highlighting the alleged discrepancy, the Raebareli MP flagged a sharp rise in voter numbers in a short span. He stressed that the opposition had uncovered "many irregularities" after studying the voter lists in detail. The Congress MP, citing government data, said 9.54 crore people were eligible to vote in Maharashtra but 9.7 crore exercised their franchise in the Assembly polls.

"In 5 years between the Vidhan Sabha elections in 2019 and Lok Sabha 2024, 32 lakh voters were added. However, in a period of 5 months

between Lok Sabha polls 2024 and Vidhan Sabha elections, 39 lakh voters were added. The question is, who are these 39 lakh voters? That is equivalent to the total number of voters of Himachal Pradesh. The second point is, why are there more voters in Maharashtra than the entire voting population of the state?" Gandhi said.

ELECTION COMMISSION'S SWIFT RESPONSE

The Election Commission of India, in a swift reply, said it would respond to Gandhi's allegations in writing.

"The ECI considers political parties as priority stakeholders. It deeply values views, suggestions, questions coming from political parties. The commission would respond in writing with a full factual and procedural matrix uniformly adopted across the country," the poll watchdog said in a statement.While the Maharashtra Vikas Agadi (MVA) sprung a surprise by winning 30 out of the 48 seats in Maharashtra in the Lok Sabha elections, it was reduced to just 49 seats out of the 288 in the Assembly polls.The Congress had made a similar allegation last year, just days after the election results were announced. A Congress delegation had met the Election Commission officials and sought "raw data" for the 39 lakh voters added to the rolls.

The poll body responded by dishing out several numbers, saying there were 48,81,620 additions and 8,00,391 deletions to the voter list. This led to a net addition of 40,81,229 electors in Maharashtra in the period between the Lok Sabha polls and the Assembly election.

Kameshwar Chaupal, Who Laid First Brick For Ram Temple Construction, Dies

Kameshwar Chaupal was a "dedicated Ram devotee", Prime Minister Narendra Modi said in a post on X.

New Delhi. Kameshwar Chaupal, a pivotal figure in the Ram Janmabhoomi movement of 1989 and the man who laid the first foundation stone for the Ram Temple in Ayodhya, passed away at the age of 69 in a Delhi hospital on Friday. His death was condoled by Prime Minister Narendra Modi and Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath, among others. Kameshwar Chaupal's death marks the loss of a dedicated leader whose legacy shaped both religious and social spheres in India.

A Dalit leader from Supaul in Bihar, Kameshwar Chaupal's life was defined by his commitment to the Ram Janmabhoomi cause.

He served as a member of the Bihar Legislative Council from 2002 to 2014, and though his attempt to represent Supaul in the 2014 Lok Sabha elections under the BJP banner was unsuccessful, his influence in Indian politics remained profound. Leaders from across the political spectrum mourned his passing.

Prime Minister Modi paid tributes to the late leader through a heartfelt post on social media platform X. "I am deeply saddened by the demise of senior BJP leader and trustee of Ram Janmabhoomi Teerth Kshetra Trust, Kameshwar Chaupal ji. He was a dedicated Ram devotee who made a valuable contribution to the construction of the Ram temple in Ayodhya," PM Modi wrote, adding that Chaupal's legacy as a champion for the welfare of marginalised communities would be remembered forever. Yogi Adityanath also shared his condolences, recalling Chaupal's significant role in the 1989 historic foundation stone ceremony for the Ram Temple. "His entire life was dedicated to religious and social work," Yogi Adityanath noted, while offering his prayers to Lord Ram for the peace of Chaupal's soul.

Pak attack foiled, 7 infiltrators killed along LoC, 3 were army regulars: Sources

Sources said the Indian Army ambushed Pakistan's Border Action Team (BAT) while it was attempting to attack a forward post in Jammu and Kashmir's in the Krishna Ghati sector.

New Delhi. The Indian Army foiled an ambush by Pakistani infiltrators on its post along the LoC and gunned down seven of them, including 2-3 Pakistan Army personnel, on the intervening night of February 4-5, sources said. The incident, which happened in the Krishna Ghati sector in J&K's Poonch district, came as Pakistan observed 'Kashmir Solidarity Day', a propaganda exercise to push its anti-India agenda.

Sources said the Indian Army ambushed Pakistan's Border Action Team (BAT), which are specialised units for cross-border operations, while it was attempting to attack a forward post. Among the seven killed, 2-3 were Pakistan Army regulars, sources said. The terrorists killed in the operation were likely members of the Al-Badr group.

No salary hike proposal for Supreme Court, High Court judges: Centre

The government informed the Rajya Sabha that there is no proposal to increase the salary and allowances of Supreme Court and high court judges. Their pay was last revised in 2017 based on the 7th Pay Commission recommendations.

New Delhi. There is no proposal at present to hike the salary and allowances of Supreme Court and high court judges, the government said in the Rajya Sabha on Thursday. The last time their salary, allowances and pensions were hiked was in 2017."Presently, no proposal for enhancing pay, allowances and pension etc for the judges of Supreme Court and High Courts is under consideration of the government," Law Minister Arjun Ram Meghwal said in a written reply.

He said the pay, allowance and pension in respect of judges of the Supreme Court and the 25 high courts are governed by The Supreme Court Judges (Salaries and Conditions of Service) Act, 1958 and The High Court Judges (Salary and Conditions of Services) Act, 1954 respectively.

The salary, pension and allowances of judges of the higher were last revised with effect from January 1, 2016 following the implementation of the 7th Pay Commission recommendation by the government, through an amendment in both the laws.

The chief justice of India (CJI) gets Rs 2.80 lakh per month and judges of the Supreme Court and chief justices of the high courts get Rs 2.50 lakh a month. Judges of the high courts get Rs 2.25 lakh per month. The government had recently said it would set up the 8the Pay Commission.

Another fire breaks at Maha Kumbh, over 20 tents burnt as devotees panic

Another fire broke out at Maha Kumbh on Friday in which several tents were affected. Devotees were seen panicking and running to shelter as fire tenders rushed to douse the flames.

Prayagraj. A fire broke out in Sector 18 of Maha Kumbh in Uttar Pradesh's Prayagraj on Friday. The fire spread across over 20 tents in Hariharanand Camp on Shankaracharya Marg. Fire tenders immediately rushed to the spot, and the fire has now been doused.

Visuals showed several tents being affected by the fire. Several devotees were seen running to shelter and panicking. One of the seers, visibly distraught over the incident, was being consoled by the people present there. No casualties have been reported so far due to the fire. The reason behind the fire is not clear yet.

According to a police official, "The fire has been brought under control. It began from ISKCON and then other tents also caught fire. There has been no loss of lives or burn injuries. Around 20-22 tents are burnt."

This comes a week after a fire broke out in 15 tents at the Maha Kumbh Mela on January 30. Earlier, a massive fire had broken out at the Maha Kumbh on January 19 after the explosion of around three gas cylinders in the Sector 19 campsite area. The fire department quickly responded and managed to bring the blaze under control. No casualties were reported due to the fire.

Delhi Lt Governor Orders Probe Into Arvind Kejriwal's Poaching Claim

The Lt Governor said that the matter merited an investigation and directed authorities to examine the allegations.

New Delhi. Delhi Lt Governor VK Saxena today sanctioned an investigation into AAP's allegation that the BJP attempted to poach its candidates ahead of the Delhi Assembly election results, scheduled for February 8. The BJP had argued that AAP's claims were defamatory and aimed at tarnishing its image ahead of the election results.

The Lt Governor said that the matter merited an investigation and directed authorities to examine the allegations.

In a social media post, former Delhi chief minister and AAP chief Arvind Kejriwal claimed that 16 AAP candidates had received offers from the BJP. He alleged that they were promised ministerial positions and Rs 15 crore each if they defected.

"Some agencies are showing that the abusive party (BJP) is getting more than 55 seats. In the last two hours, 16 of our candidates have received calls that if they leave AAP and join their party, they will be made ministers and given Rs 15 crore each," Mr Kejriwal wrote in Hindi. He then questioned the authenticity of exit polls that showed a BJP victory in the elections.

"If they are indeed winning more than 55 seats, why are they calling up our candidates? These fake surveys are a

conspiracy to create an atmosphere to break AAP candidates. But not a single one of them will switch sides," he added. Delhi Chief Minister and AAP candidate from Kalkaji, Atishi, also weighed in on the controversy. She questioned the BJP's alleged attempts to poach candidates if they were confident of winning.

"If the abusive party (BJP) is getting more than 50 seats, then why are they trying to break our candidates by contacting them?" she posted on X.

Atishi further claimed that the exit polls predicting a BJP victory in Delhi are being manipulated to "demoralise AAP candidates and create an atmosphere where defections could be encouraged."Following the BJP's complaint against AAP's allegations, Delhi Lt Governor VK Saxena sanctioned an investigation into the matter.

"The Lieutenant Governor has desired that this matter merits a thorough investigation through the Anti-Corruption Bureau (ACB) to establish the truth in the matter," a statement from VK Saxena's office read. Polling for all 70 Assembly seats in Delhi concluded on Wednesday. With the votes set to be counted on Saturday, the results will determine whether AAP secures a third consecutive term or if BJP finally breaks its 27-year-long wait to govern the capital.

"Will Be Wrong...": Top Court Rejects Army Officer's Petition On Kargil War

The Supreme Court refused to entertain a petition alleging lapses on Army's part in acting on information concerning Pakistan's incursions before the 1999 Kargil war.

New Delhi. The Supreme Court on Friday refused to entertain a PIL filed by a former Army officer alleging lapses on the part of Army in acting on information with regard to Pakistan's incursions before the 1999 Kargil war.

"The judiciary normally does not go into the matter of national defence...what happened in 1999 in the war is the internal matter relating to executive decision," a bench comprising Chief Justice Sanjiv Khanna and Justice Sanjay Kumar said. The bench was hearing a PIL filed by Panchkula-based former Army officer Manish Bhatnagar.

He alleged that he had provided credible information about Kargil incursions much before it was officially taken note of and acted upon.

"There are certain things where the judiciary should not enter. It will be wrong on our part," the CJI said, adding, "you participated in the war and now leave the issues as they are". Sensing the outcome, Bhatnagar, who argued the case, sought withdraw of the PIL which was permitted.

Bhatnagar, a former officer of the 5th Battalion of the Parachute Regiment, had earlier raised questions regarding the discovery of the intrusions and the manner in which these were handled subsequently in the conduct of operations. He had earlier alleged that his inputs on Kargil intrusion were sent to his seniors as early as January-February 1999 but were ignored. Bhatnagar had contended that when a full-scale conflict broke out, he was court martialed on another pretext and made to leave the Army. The Kargil war took place from May to July 1999 after the Army detected Pakistan fighters inside the Indian side.

Court refuses to cancel Pocso case against Yediyurappa, grants pre-arrest bail

In a partial relief to former chief minister BS Yediyurappa, Karnataka High Court granted him anticipatory bail but refused to quash the Pocso case against him, sending the matter back to the trial court.

New Delhi. The Karnataka High Court on Friday refused to quash Pocso case against former chief minister and senior BJP leader BS Yediyurappa but granted him anticipatory bail. The court, while allowing the petition in part, ruled that the order taking cognisance of the case stands obliterated, but the crime, investigation, and final report remain intact. The matter has now been remitted back to the trial court, keeping all legal arguments open.

Justice M Nagaprasanna, who had earlier granted interim protection to Yediyurappa against arrest, pronounced the verdict after hearing arguments from both sides. The case was registered on March 14, 2024, following a complaint by a woman who alleged that Yediyurappa had molested her 17-year-old daughter when they visited his residence in Bengaluru's Dollars Colony seeking help. The mother, who has since passed away, had also accused the BJP leader of attempting to silence them by offering money. Based on the complaint, the police had registered a First Information Report (FIR) against Yediyurappa under Section 8 of the Pocso Act and Section 354(A) of the Indian Penal Code (IPC) for sexual harassment of a minor.

During the hearings, Yediyurappa's counsel denied the allegations, arguing that the mother and daughter had previously approached him regarding an earlier case in which the girl had been sexually assaulted by another person. "He was checking on the details of a previous case in which the victim had been sexually assaulted by another person and for which she and her mother had previously approached him (Yediyurappa) for help," his counsel told the court. However, the State prosecution countered the claims, arguing that there was sufficient material against Yediyurappa and that the charge of sexually assaulting a minor is a "heinous" offence that warrants trial.

Reacting to the High Court's verdict, BJP state president BY Vijayendra reiterated the party's stance that the case was politically motivated. "We have always maintained that this case is politically motivated. The High Court has set aside the summons issued by the lower court. Let's wait for the lower court's order," he said.

The High Court's ruling provides relief to Yediyurappa by quashing the cognisance order, but the case itself remains under investigation and will proceed in the trial court. Senior advocate CV Nagesh represented Yediyurappa, while special public prosecutor Prof Ravivarma Kumar and advocate S Balan appeared for the complainant's family.

NEWS BOX

Bangladesh summons Indian envoy after Sheikh Hasina accuses Yunus of assassination plot

World Dhaka summoned India's Acting High Commissioner, Pawan Badhe, on Thursday after former Prime Minister Sheikh Hasina accused Muhammad Yunus, Chief Adviser of Bangladesh's interim government, of plotting to assassinate her.Hasina made the allegation during a live Facebook address to her supporters and Awami League members. She claimed that she was forced to flee to India after Islamist groups and mobs attacked her residence, following the hijacking of a student protest.

In response, Bangladesh's foreign ministry strongly protested her remarks, calling them "false and fabricated." A government advisor also opposed her statements, including those made on social media.

The interim government led by Yunus has filed multiple cases against Hasina and her family, accusing them of enforced disappearances, corruption, and crimes against humanity during the June-August protests, which left over 800 people dead.Yunus has urged India to extradite Hasina, accusing her of destabilising Bangladesh with her comments. The protest note handed to the Indian envoy expressed "strong discontent and concern" over her remarks, calling them offensive to the Bangladeshi public.

Jaishankar Meets Greek Foreign Minister; Discusses India-Mediterranean Connect

World External Affairs Minister S Jaishankar met his counterpart from Greece, George Gerapetritis, here on Thursday and held a very "productive conversation" with him on advancing the multi-faceted bilateral relations in a range of sectors, including trade, artificial intelligence and cultural ties.The two ministers also interacted during a meeting held at the Hyderabad House.Delighted to meet my friend FM George Gerapetritis of Greece this evening in Delhi. Held a very productive conversation on advancing our multifaceted relations, focusing on shipping, trade and investment, connectivity, mobility, AI and cultural ties," Jaishankar said in a post on X.He also a shared photos of their meeting on the microblogging platform.The Minister of Foreign Affairs of the Hellenic Republic is visiting India from February 5 to February 8, the Ministry of External Affairs (MEA) said on Wednesday.

In his post on X, Jaishankar wrote: "Also discussed IMEC and India-Mediterranean connect, which will be a major focus of the next phase of our relations. Appreciate his perspectives on the recent developments in the region. Assured India's fullest support to Greece for its non-permanent membership of the UNSC for 2025-26."Billed as a pathbreaking initiative, the India-Middle East-Europe Economic Corridor (IMEC) envisages vast road, railroad and shipping networks among Saudi Arabia, India, the United States and Europe, with an aim to ensure integration among Asia, the Middle East and the West.The IMEC initiative was firmed up on the sidelines of the G20 Summit in Delhi in September 2023.

Bulldozer procession' targets homes of Awami leaders

DHAKA. Thousands of protesters set fire to the home of Bangladesh's founding leader as his daughter, ousted former PM Sheikh Hasina, called on her supporters to stand against the interim govt. The South Asian nation of 170 million people has struggled with political strife since Hasina was forced to flee to India in Aug following weeks of protests against her rule in which more than 1,000 people were killed.Witnesses said several thousand protesters, some armed with sticks, hammers and other tools, gathered around the historic house and independence monument while others brought a crane and excavator to demolish the building late on Wednesday.The demolition continued into Thursday, with much of the front of the house destroyed. Many people were seen breaking into it and taking steel and wooden items and books from inside. Similar cases of vandalism also took place at several other places, targeting Awami League leaders. At least two people, accused of being members of Awami League, were beaten by the crowd, witnesses said, reported AFP.

The protest rally was organised alongside a broader call, dubbed "Bulldozer Procession", to disrupt Hasina's scheduled online address on Wednesday. Protesters, many aligned with the "Students Against Discrimination" group, voiced fury over her speech they saw as a challenge to the newly formed interim govt.

A symbol of the country's establishment, the house is where Mujibur Rahman declared Bangladesh's independence from Pakistan in 1971. He and most of his family were assassinated at the house in 1975. Hasina, who survived the attack, transformed the building into a museum dedicated to her father's legacy.Hasina, in a slightly emotion-choked voice, said Pakistani troops too looted the house during the 1971 Liberation War but did not demolish or set it on fire. The residence of Hasina's late husband Wajed Mian known as 'Sudha Sadan' on Road 5 in Dhanmondi was also set on fire by protesters.The actions in Dhaka fuelled similar destructions in other parts of Bangladesh. Protesters demolished the home of her cousins - Sheikh Helal Uddin and Sheikh Salauddin Jewel - in Khulna City. Thousands of people gathered around the house, chanting "Delhi or Dhaka - Dhaka, Dhaka" and "Down with Mujibism". Prothom Alo, the largest Bengali daily, reported crowds used govt-owned excavators to smash down the building. Protesters removed the name of Mujibur Rahman from Bangabandhu Sheikh Mujibur Rahman Hall of Dhaka University. They also vandalised several murals of Mujibur.

Alabama puts man to death for a 1991 murder in the nation's fourth execution using nitrogen gas

ATMORE. An Alabama man convicted of murdering a woman after breaking into her apartment as she slept was put to death Thursday evening in the nation's fourth execution using nitrogen gas.Demetrius Frazier, 52, was pronounced dead at 6:36 p.m. at a south Alabama prison for his murder conviction in the 1991 rape and killing of Pauline Brown, 41.It was the first execution in Alabama this year and the third in the U.S. in 2025, following a lethal injection Wednesday in Texas and another last Friday in South Carolina."First of all, I want to apologize to the family and friends of Pauline Brown. What happened to Pauline Brown should have never happened," Frazier said in his final words. He also criticized Michigan Gov. Gretchen Whitmer for what he called her failure to step in following appeals for him to be returned to serve out a previous life sentence in her state."My last word. I love everybody on death row. Detroit Strong," he said.Recently, Frazier's mother and death penalty opponents had pleaded to Whitmer to take Frazier back to Michigan to complete his life sentence for the murder of a teenage girl before he was turned over years ago to Alabama authorities. Michigan does not have the death penalty. Police had said Frazier confessed to killing Brown in 1992 while in custody in Michigan.

Whitmer told The Detroit News before the execution that her predecessor, Rick Snyder, "unfortunately" agreed to send Frazier to Alabama and it was in the hands of officials there."It's a really tough situation," she told the media outlet. "I understand the pleas and concerns. Michigan is not a death penalty state."Prosecutors said that on November 27, 1991, Frazier, then 19, broke into Brown's apartment in Birmingham while she was asleep. Prosecutors said he demanded money and raped Brown at gunpoint after she gave him $80 from her purse. He then shot her in the head and returned later to have a snack and look for money, they said.Alabama Gov. Kay Ivey said in a post-execution statement that justice was done."In Alabama, we enforce the law. You don't come to our state and mess with our citizens and get away with it," Ivey said. "Rapists and murderers are not welcome on our streets, and tonight, justice was carried out for Pauline Brown and her loved ones."Frazier was sentenced to life in prison in Michigan for the 1992 murder of Crystal Kendrick, 14. Then in 1996, an Alabama jury convicted him of murdering Brown and recommended by a vote of 10-2 that he receive a death sentence. Frazier remained in Michigan custody until 2011 when the then-governors of the two states agreed to move him to Alabama's death row.Alabama became the first state to conduct nitrogen gas executions, putting three people to death last year with the method. It involves placing a respirator gas mask over the person's face to replace breathable air with pure nitrogen gas, causing death by lack of oxygen.Frazier was strapped to a gurney with a blue-rimmed gas mask. The execution began at about 6:10 p.m. after a corrections officer did a final check of the mask.Once the gas began flowing, Frazier moved his outstretched palms in a swirling circular movement for the first minute or two. At 6:12 p.m., he stopped circling his hands. He appeared to grimace, quiver on the gurney and take a gasping breath. A minute later, he raised both legs several inches off the gurney and then lowered them.

His breathing slowed at 6:14 p.m. to a series of sporadic breaths. He had no visible movement by about 6:21 p.m. The curtains to the execution chamber closed at 6:29 p.m.

Trump signs order imposing sanctions on International Criminal Court over investigations of Israel

WASHINGTON. President Donald Trump on Thursday signed an executive order imposing sanctions on the International Criminal Court over investigations of Israel, a close U.S. ally.Neither the U.S. nor Israel is a member of or recognizes the court, which has issued an arrest warrant for Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu for alleged war crimes over his military response in Gaza after the Hamas attack against Israel in October 2023. Tens of thousands of Palestinians, including children, have been killed during the Israeli military's response.The order Trump signed accuses the ICC of engaging in "illegitimate and baseless actions targeting America and our close ally Israel" and of abusing its power by issuing "baseless arrest warrants" against Netanyahu and his former defense minister, Yoav Gallant."The ICC has no jurisdiction over the United States or Israel," the order states, adding that the court had set a "dangerous precedent" with its actions against both countries.

Trump's action came as Netanyahu was visiting Washington. He and Trump held talks Tuesday at the White House,

and Netanyahu spent some of Thursday meeting with lawmakers on Capitol Hill.The order says the U.S. will impose "tangible and significant consequences" on those responsible for the ICC's "transgressions." Actions may include blocking property and assets and not allowing ICC officials, employees and relatives to enter the United States.Human rights activists said sanctioning court officials would have a chilling effect and run counter to U.S. interests in other conflict zones where the court is investigating."Victims of human rights abuses around the world turn to the International Criminal Court when they have nowhere else to go, and President Trump's executive order will make it harder for them to find justice," said Charlie Hogle, staff attorney with American Civil Liberties Union's National Security Project. "The order also raises serious First Amendment concerns because it puts people in the United States at risk of harsh penalties for helping the court identify and investigate atrocities committed anywhere, by anyone."Hogle said the order "is an attack on both accountability and free speech.""You can disagree with the court and the way it operates, but this is beyond the pale," Sarah Yager, Washington director of Human Rights Watch, said in an interview prior to the announcement.

US service member, 3 contractors killed in surveillance mission plane crash in southern Philippines

MANILA. One U.S. service member and three defense contractors were killed Thursday when a plane contracted by the U.S. military crashed in a rice field in the southern Philippines, U.S. Indo-Pacific Command said.The aircraft was conducting a routine mission "providing intelligence, surveillance, and reconnaissance support at the request of our Philippine allies," the command said in a statement. It said the cause of the crash was under investigation.

The Civil Aviation Authority of the Philippines also confirmed the crash of a light plane in Maguindanao del Sur province. It did not immediately provide other details.The bodies of the four people were retrieved from the wreckage in Ampatuan town, said Ameer Jehad Tim Ambolodto, a safety officer of Maguindanao del Sur. Indo-Pacific Command said the names of the crew were being withheld pending family notifications.Windy Beaty, a provincial disaster-mitigation officer, told The Associated Press that she received reports that residents saw smoke coming from

the plane and heard an explosion before the aircraft plummeted to the ground less than a kilometer (about half a mile) from a cluster of farmhouses.

Nobody was reported injured on or near the crash site, which was cordoned off by troops, Beaty said.

A water buffalo on the ground was killed as a result of the plane crash, local officials said.

U.S. forces have been deployed in a Philippine military camp in the country's south for decades to help provide advise and training to Filipino forces battling Muslim militants. The region is the homeland of minority Muslims in the largely Roman Catholic nation.

Israel Strikes Lebanon Amid Ceasefire

Beirut. Israel has carried out a series of airstrikes, targeting several areas in southern and eastern Lebanon, media reported. Israeli warplanes launched multiple raids on the heights of the eastern Mountain Range and an area in the Baalbek district of eastern Lebanon, the National News Agency (NNA) reported, adding Israel also launched several airstrikes on targets in southern Lebanon at around 10:35 p.m. local time on Thursday. Prior to the airstrikes, Israeli aircraft conducted intensive low-altitude flights over the town of Rashaya and western Bekaa, while flying at higher altitudes over the city of Hermel and northern Bekaa in eastern Lebanon, Xinhua news agency reported. Israeli jets were also seen over Beirut and its suburbs, according to the report. These developments come despite the ongoing ceasefire agreement between the Lebanese armed group Hezbollah and the Israeli military, which took effect on November 27, 2024, and was meant to end more than a year of cross-border clashes triggered by the war in Gaza. The agreement stipulated that Israel would withdraw from Lebanese territory within 60 days, while the Lebanese army would be deployed along the Lebanese-Israeli border and

in the southern region, ensuring that no weapons or militants remained south of the Litani River. However, Lebanon's caretaker government announced on January 27 that it had agreed to extend the ceasefire until February 18, after the initial 60-day period expired without an Israeli withdrawal from southern Lebanon. Despite the truce, the Israeli military has continued to launch occasional strikes in Lebanon, claiming they are aimed at eliminating "threats" posed by Hezbollah. Tensions have escalated as the Israeli army remained in the Lebanese territory after a 60-day deadline for its withdrawal from southern Lebanon that passed on January 26 under a ceasefire agreement. The US, however, said that Israel and Lebanon have agreed to an extension of the deadline until February 18. At least 26 people have been killed and 221 injured by Israeli gunfire since January 26 as residents try to return to their villages in southern Lebanon, according to local health authorities. The fragile cease-fire has been in place since November 27, ending a period of mutual shelling between Israel and the Lebanese resistance group, Hezbollah, that began October 8, 2023, and escalated into a full-scale conflict on September 23 last year. Data from the Lebanese Health Ministry indicates that since Israel's onslaught against Lebanon began in 2023, at least 4,080 people have been killed, including women, children, and health workers, while 16,753 have been injured.

Trump administration plans to slash all but a fraction of USAID jobs, officials say

Late Thursday, federal workers associations filed suit asking a federal court to stop the shutdown, arguing that President Donald Trump lacks the authority to shut down an agency enshrined in congressional legislation.

WASHINGTON: The Trump administration presented a plan Thursday to dramatically cut staffing worldwide for U.S. aid projects as part of its dismantling of the U.S. Agency for International Development, leaving fewer than 300 workers out of thousands.Late Thursday, federal workers associations filed suit asking a federal court to stop the shutdown, arguing that President Donald Trump lacks the authority to shut down an agency enshrined in congressional legislation.Two current USAID employees and one former senior USAID official told The Associated Press of the administration's plan, presented to remaining senior officials of the agency Thursday. They spoke on condition of anonymity due to a Trump administration order barring USAID staffers from talking to anyone outside their agency.

The plan would leave fewer than 300 staffers on the job out of what are currently 8,000 direct hires and contractors. They, along with an unknown number of 5,000 locally hired international staffers abroad, would run the few life-saving programs that the administration says it intends to keep going for the time being.It was not immediately clear whether the reduction to 300 would be permanent or temporary, potentially allowing more workers to return after what the Trump administration says is a review of which aid and development programs it wants to resume.The administration earlier this week gave almost all USAID staffers posted overseas 30 days, starting Friday, to return to the U.S., with the government paying for their travel and moving costs.

Workers who choose to stay longer, unless they received a specific hardship waiver, might have to cover their own expenses, a notice on the USAID website said late Thursday.Secretary of State Marco Rubio said during a trip to the Dominican Republic on Thursday that the U.S. government will continue providing foreign aid."But it is going to be foreign aid that makes sense and is aligned with our national interest," he told reporters.The Trump administration and billionaire ally Elon Musk, who is running a budget-cutting Department of Government Efficiency, have targeted USAID hardest so far in an unprecedented challenge of the federal government and many of its programs.Since Trump's Jan. 20 inauguration, a sweeping funding freeze has shut down most of the agency's programs worldwide, and almost all of its workers have been placed on administrative leave or furloughed. Musk and Trump have spoken of eliminating USAID as an independent agency and moving surviving programs under the State Department.

NEWS BOX

BCCI convenes Special General Meeting on March 1 to elect joint secretary

New Delhi. The BCCI has convened a Special General Meeting (SGM) in Mumbai on March 1 to appoint a new joint secretary after the position was left vacant following the elevation of Devjit Saikia to the post of the board's secretary.Assam Cricket Association's (ACA) Saikia had succeeded Jay Shah in the secretary's position last month, after the latter took over as the chairman of the International Cricket Council (ICC) on December 1."Notice is hereby given for a Special General Meeting (hereinafter referred to as SGM) of the BCCI which will be held at 12:00PM IST on March 1, 2025, at BCCI headquarters at Mumbai, to transact the business of Election and Induction of the Joint Secretary of BCCI," the apex board said in a statement.The names of former Cricket Association of Bengal (CAB) president Avishek Dalmiya (East Zone), Delhi & District Cricket Association (DDCA) chief Rohan Jaitley (North Zone) and Mumbai Cricket Association's (MCA) Sanjay Naik (West Zone) are doing the rounds for the post.

Like it happened in the case of BCCI secretary and treasurer, there won't be any election to pick the board's new joint secretary.As a rule, a 21-day notice is required to call an

SGM and the BCCI has followed the requirement.

This will be the second SGM in less than two months, following the previous one held on January 12, where Saikia was elected as the new secretary and Prabhtej Singh Bhatia as the new treasurer. Both were elected unopposed.The joint secretary's job is to oversee various administrative tasks and work closely with other board members to ensure its operations are run efficiently.

England to play Afghanistan at Champions Trophy despite boycott calls

☛England will play their Champions Trophy match against Afghanistan later this month, the England Cricket Board (ECB) announced on Thursday, amid calls to boycott the game.

London. England will play their Champions Trophy match against Afghanistan later this month, England's cricket board (ECB) said on Thursday, despite calls to boycott the game in response to the Taliban government's crackdown on women's rights.

Last month, a group of British lawmakers urged England to boycott the Champions Trophy group stage match against Afghanistan, which will be held in Lahore on February 26.Afghanistan had 25 contracted women players in 2020, but most are now living in exile in Australia following the Taliban takeover of their country in August 2021.However, ECB chair Richard Thompson said they would play the match after discussions with the government, the International Cricket Council (ICC), and the players, adding that the cricketing community alone cannot tackle Afghanistan's problems."We remain of the view that a coordinated international response by the cricketing community is the appropriate way forward and will achieve more than any unilateral action by the ECB in boycotting this match," Thompson said in a statement."We have also heard that for many ordinary Afghans, watching their cricket team is one of the few remaining sources of enjoyment. As such, we can confirm that we will play this fixture."The Taliban say they respect women's rights in accordance with their interpretation of Islamic law and local customs and that they are internal matters that should be addressed locally.

Last week, Afghanistan's exiled women cricketers were named the first beneficiaries of a new refugee fund started by the Marylebone Cricket Club and Thompson said the ECB had donated 100,000 pounds ($124,350)."We will continue to press the ICC to take further action, including ringfencing a meaningful portion of funding to support female players from Afghanistan to be able to access cricket," he added.Thompon also said the ICC should consider recognising an Afghanistan women's refugee team while also supporting and developing displaced Afghan women "to thrive in non-playing roles" such as coaches and administrators.

"What is happening in Afghanistan is nothing short of gender apartheid," he said."At a cricketing level, when women's and girls' cricket is growing rapidly around the world, it is heartbreaking that those growing up in Afghanistan are denied this opportunity."

January Transfer Window: Are Aston Villa the true winners of the market

New Delhi. The January transfer window is often a time of desperation and last-minute deals, but this year, it has been nothing short of a spectacle—especially in the Premier League. While Manchester City's dip in form had many expecting them to be the most aggressive buyers, it was Aston Villa who turned heads with their ambitious signings. Unai Emery's side, still fighting for a Champions League spot in the league while also making strides in Europe, has significantly strengthened its squad with high-profile names.From Marcus Rashford and Marco Asensio to Axel Disasi and Donyell Malen, Villa's winter spree signals their intent to compete at the highest level. On paper, these deals make them the biggest winners of the window. However, with each of these players arriving under a cloud of inconsistency and unfulfilled potential, the question remains—will Villa's gamble on redemption pay off, or is this a risk that could backfire?

Marcus Rashford: A Boon or a Burden?

Arguably the most high-profile move of the window, Marcus Rashford's loan switch from Manchester United to Aston Villa is as fascinating as it is uncertain. Rashford, once United's golden boy, has fallen out of favour under new manager Rºben Amorim. His form has dipped alarmingly, and his struggles with consistency have seen him lose his place in both United's starting XI and the England squad.

Yet, at his best, Rashford remains one of the most electrifying forwards in England. His arrival is particularly timely for Villa, who are without their talismanic striker Ollie Watkins due to injury. Rashford's pace and ability to stretch defenders could complement the likes of Malen and Asensio. However, the biggest concern is whether Villa has simply inherited United's problem—an immensely talented player who often drifts in and out of form.

For Rashford, this move is more than just a loan spell—it is a career-defining moment. Having turned down offers from AC Milan, Borussia Dortmund, and Barcelona, his decision to stay in the Premier League shows his determination to prove himself. But can he do it at a club with fewer margins for error?Marco Asensio: A Second Chance in the Premier League

Few players embody the phrase "unfinished business" quite like Marco Asensio. Once heralded as Real Madrid's next superstar, Asensio's career has been derailed by injuries and the rise of Vin-cius Jr. and Rodrygo. His move to PSG in 2023 was meant to be a fresh start, but with limited game time in Paris, he now finds himself seeking redemption at Aston Villa.Asensio's talent is undeniable. A technically gifted forward with a deadly left foot, he has the ability to be a game-changer. But like Rashford, the concern is whether he can find the consistency needed to thrive in the Premier League. Asensio himself has spoken of his excitement at playing in "the best league in the world," a sentiment echoed by many who have made the switch from La Liga. If he can recapture even a fraction of the form that made him one of Madrid's most exciting prospects, Villa might have pulled off a coup.

A Gamble on Redemption: High Risk, High Reward?

The common thread between Villa's signings is clear: they are all immensely talented players who have struggled for form and confidence in recent years. Whether it's Rashford's inconsistency, Asensio's injuries, or Malen's underwhelming stint at Dortmund, each signing comes with baggage. Even Axel Disasi, a highly-rated defender, arrives after a mixed spell at Chelsea.

Cristiano Ronaldo sends heartfelt and nostalgic retirement message to Marcelo

New Delhi. Portuguese football icon Cristiano Ronaldo penned an emotional tribute to his former Real Madrid teammate Marcelo Viera, as the legendary Brazilian left-back announced his retirement at the age of 36 on February 6. Marcelo, who last played for Fluminense, decided to hang up his boots after terminating his contract with the Brazilian club.

Ronaldo, who shared an unbreakable bond with Marcelo during their years together at Real Madrid, took to social media to celebrate the career of his long-time teammate. His heartfelt message took fans on a nostalgic journey, reminiscing about the glory days at the Santiago Bernabéu, where the duo formed one of the most formidable attacking partnerships in football.

Marcelo: A Real Madrid Legend

Marcelo spent almost 16 seasons at Real Madrid, cementing his status as one of the greatest left-backs of all time. He played a pivotal role in the club's success, winning five UEFA Champions League titles, including the iconic three-peat from 2016 to 2018. His link-up play with Ronaldo down the left flank was one of the most feared combinations in world

football, contributing to Ronaldo's record-breaking goal-scoring feats.

After Real Madrid's 2022 Champions League triumph, Marcelo moved to Olympiakos, before returning to his boyhood club Fluminense. However, his time in Brazil was short-lived, and with 25 trophies to his name, Marcelo bid farewell to the sport as a certified legend.

Ronaldo and Marcelo's Unbreakable Bond

While many footballers and fans showered Marcelo with tributes, Ronaldo's message stood out due to their deep connection. The two shared countless memories, including historic El Clasico victories, Champions League triumphs, and La Liga titles. Their off-field friendship was equally strong, often seen in their celebrations and training ground antics.Although Ronaldo and Marcelo have not linked up in recent years, speculation remains about a potential collaboration.

Harshit Rana's plan for maiden ODI wicket, death over duty: Ready for all roles

New Delhi. India's young pacer Harshit Rana made an impressive impact in his ODI debut against England in Nagpur, revealing how he strategically planned his bowling variations to claim his maiden international wicket. His first victim, Ben Duckett, fell to a well-executed short-length delivery, which resulted in a superb catch by fellow debutant Yashasvi Jaiswal.

Harshit, who had already generated buzz with his controversial T20I debut earlier this month, started off on an expensive note in the ODI. However, he recovered well to finish with figures of 3/53, playing a crucial role in India's dominant victory. Speaking about his first wicket, Harshit shared that his strategy involved switching between full-length and short-pitched deliveries, which ultimately forced Duckett into a mistimed shot.Sir, you could say it was part of a plan. Initially, I was trying to set him up by bowling full deliveries, and then I bowled a well-executed short ball, which got me the reward," Harshit said in the post-match press conference.

A Memorable ODI Debut

Harshit's introduction to ODI cricket was filled with nerves and excitement, but he soon found his rhythm. His ability to mix up his lengths kept the English batters guessing, and his dismissal of Duckett proved to be a turning point.While Harshit is primarily known for excelling in the death overs of T20 cricket, particularly in the IPL, he was not required to bowl at the back end of the innings in this match. Instead, he was entrusted with middle-overs bowling, a challenge he embraced with confidence. Speaking at the post-match press conference, he emphasised his readiness to take on any role that the team requires."Sir, I have bowled well at the death before, so I am always ready for it. But yes, this format is a bit difficult because it's a longer format, and as a bowler, you have to play different roles in different phases. In the beginning, you have a different role, then in the middle overs, it changes, and finally, in the death overs, it's a whole different challenge.

De Zorzi shines as Sunrisers Eastern Cape reach SA20 final

CENTURION. Around eight years ago, just after a then young Tony de Zorzi was given the honour of leading an age-group Protea outfit to the World Cup, the southpaw's stocks collapsed like a house of cards. Touted for the top-most echelon of the game from a young age, the teen (the school he went to in Johannesburg, King Edwards VII, counts Graeme Smith and Quinton de Kock among its alma mater) didn't have the greatest time of it at the World Cup.

He had to start from scratch, one of the hardest things to do in elite sport as you have to unlearn and relearn the entire grammar of the game. So he put himself through the grind, taking the scenic route to the top.

Luckily for him, there was a believer. Former New Zealand cricketer, Kruger van Wyk, a coach at University of Pretoria. At a time when De Zorzi was at a low point in his life, Van Wyk appointed De Zorzi as the captain. "TuksCricket," a news item from the University reads, "coaches seemingly have fine tuned the art of getting young cricketers

to become players who can influence the outcome of any game."It states further: "Two things matter to the coaches — student-athletes completing their studies and secondly, it is to get players to play to fulfil their true potential."De Zorzi, 27, has taken his time but he's now there, playing at the level he was earmarked for. In front of a packed crowd under the lights at Supersport Park in Centurion, he reduced the second qualifier between Sunrisers Eastern Cape (SEC) and Paarl Royals to a footnote.Chasing 176 to earn the right to face MI Cape Town in the final of the third edition of the SA20, De Zorzi was full of gumption and enterprise during his 49-ball 78. Even if he missed the chance to rubber-stamp his class with a ton, when he got out, all tension and jeopardy had been removed from the contest.In what was the SA20s 100th match, PR may have been forgiven for thinking they had put up a challenging total to challenge SEC's hegemony of the tournament — the defending champions are one win away from a three-peat, an extremely rare thing for a side in an environment as fickle as a month-long T20 league.The ask had become harder as soon as the team in Orange lost David Bedingham in the fourth over. But De Zorzi, who has established himself in the national team set-up in the longer formats, was already finding his range. He had got the chase underway with a trio of boundaries off the in-form Bjorn Fortuin in the third over. He followed up that with a six off Mujeeb Ur Rahman to close out the powerplay.

Carabao Cup: Liverpool set up final against Newcastle United after thrashing Spurs

Liverpool booked their way to Wembley and a League Cup final against Newcastle United after defeating a lethargic Tottenham Hotspur 4-0 at Anfield on Thursday, and 4-1 on aggregate.

New Delhi. Liverpool have stormed into the Carabao Cup final with a comprehensive 4-0 victory over Tottenham Hotspur in the second leg of their semi-final clash at Anfield, securing a 4-1 aggregate win. Liverpool's emphatic Anfield win overturned a 1-0 first-leg deficit and set up a showdown with Newcastle United at Wembley on March 16.Cody Gakpo ignited Liverpool's comeback in the 34th minute, finishing off a Mohamed Salah cross with a precise right-footed shot. Salah then doubled the lead from the penalty spot early in the second half after Spurs goalkeeper Antonin Kinsky fouled Darwin Nunez. Dominik Szoboszlai added a third, and Virgil van Dijk capped off the rout with a powerful header, ensuring a comfortable passage to the final.Newcastle, who eliminated Arsenal with a 4-0 aggregate win, will be seeking their first major domestic trophy since 1955. Eddie Howe's side have demonstrated their quality with a resounding victory over Arsenal and will pose a formidable challenge to Liverpool at Wembley.For Liverpool, the final represents another opportunity to add silverware in what has been a promising first season under manager Arne Slot. With the team leading the Premier League, competing in the Champions League round of 16, and still in the FA Cup, the Reds remain in contention for an unprecedented quadruple.

Cody Gakpo acknowledged the significance of reaching the final but stressed the importance of staying focused: "We are in one final, but we have a lot to play for still. We have to stay calm and focus to reach as much as possible."In contrast, Tottenham's exit marks another disappointing chapter in their pursuit of silverware, extending their trophy drought that dates back to their League Cup triumph in 2008. The result will likely intensify scrutiny on manager Ange Postecoglou, with Spurs struggling for consistency in the Premier League and failing to register a single shot on target in the match, according to Opta.Postecoglou lamented his team's missed opportunity: "We have given up a good opportunity tonight and we cannot shy away from that. We were in a good position to get to the final. Nobody needs to pick me up, I just need to pick up the players."

With Liverpool in scintillating form and Newcastle eager to end their long wait for a major trophy, the Carabao Cup final promises to be an exciting encounter at Wembley.

Eisha Singh and Avinash Mishra's chemistry in Bigg Boss 18 was widely loved by all. During the show, Avinash also admitted his feelings for Eisha.

Avinash Mishra Eisha Singh

Blush As Paparazzi Call Them 'Nice Jodi' After Bigg Boss 18

Bigg Boss 18 fame actors Avinash Mishra and Eisha Singh made a joint appearance on Wednesday night in Mumbai. The two were spotted by the paparazzi as they arrived for the screening of the film, The Mehta Boys.

In a video that surfaced on social media, Avinash and Eisha were all smiles as they posed with the paparazzi together. While Eisha looked prettiest in a blue skirt and top, Avinash looked dapper as always in an oversized t-shirt and jeans.

However, as Avinash and Eisha posed together for the cameras, one of the shutterbugs cheered for them and called them "nice jodi". This left the two actors blushing.

Eisha Singh and Avinash Mishra's chemistry in Bigg Boss 18 was widely loved by all. During the show, Avinash also admitted his feelings for Eisha but the latter always maintained that they can only be good friends.

However, after the show's finale, Avinash clarified his relationship with Eisha and told News18 Showsha exclusively, "I never said it was a romantic bond. She is my really good friend. Yes, I accept that there was a time I felt a bit notch higher for her, but then we discussed it. We both decided that this is not the perfect place to have these kinds of conversations or even think about it. So right now, we are just really good friends, and that's it."

"Let time answer these things. Isse zyada kuch hoga to hum apko khud hi bata denge. I know that the audience has trended #AbhiSha a lot, so we won't hide our relationship from them at all," he added.

Interestingly, both Eisha and Avinash were a part of the Bigg Boss 18 finale. The show was won by Karan Veer Mehra.

Khushi Kapoor

Says She Has Taken Autos But Only 'Within House Campus': 'My Parents Were Against It'

Khushi Kapoor recently revealed that Boney Kapoor and Sridevi forbade her from taking autos. However, the actress has taken a ride in the vehicle inside the premises of her house. Khushi Kapoor and Junaid Khan recently appeared on Bharti Singh and Harsh Limbachiyaa's podcast to promote their upcoming film, Loveyapa, when they talked about public transport and going unrecognised.

Junaid Khan shared that he used to take autos frequently as no one knew he was Aamir Khan's son. Junaid shared that he was once stuck at the same signal as Aamir Khan and while they momentarily greeted one another, he didn't acknowledge the superstar as his father. Meanwhile, Khushi Kapoor had an interesting anecdote of her own. Khushi Kapoor said, "I have taken an auto but within the house campus." This admission left Bharti and Harsh shocked. She added, "And sometimes when we are travelling to Madh Island for a shoot, we take auto then."

Khushi explained, "Actually, I was not allowed to take an auto. My parents were against it. So I used to take autos within the campus." Khushi Kapoor is the daughter of ace producer Boney Kapoor and the late legendary actress Sridevi.

In a recent chat with SCREEN, Khushi called Boney Kapoor the most 'luxurious' person she has ever met. Khushi said, "He is the star of the house, in my opinion. He is bigger than all of us. He is the biggest diva, actor—everything, it's him." She said, "He played a role in Tu Jhoothi Main Makkaar. He didn't have many scenes in the film. He had to shoot in Delhi, and suddenly, I saw 13 large suitcases being moved from his closet."

The actress recalled, "I realized he had packed his entire wardrobe for the film. He wore his own clothes on screen. When I visited him on set, he was dressed in the exact outfit he wears at home, with his boy standing next to him.

I thought, 'Is he on a movie set, or is he just chilling at home?' He is the most relaxed and luxurious person I have ever met."

Khushi previously mentioned to the portal that Boney Kapoor also has the final say on the matters in her life.

Meanwhile, on the work front, Khushi Kapoor is all set to make her big screen debut in Loveyapa on February 7.

Aamir Ali Dating Actress Ankita Kukreti 4 Years After Sanjeeda Shaikh Divorce: 'Everyone Deserves Love'

Four years after parting ways with his wife Sanjeeda Shaikh, Aamir Ali has now confirmed that he is dating actress Ankita Kukreti. In a recent interview, Aamir confirmed being in a romantic relationship with Ankita and revealed that they have been dating for five months now. He mentioned that it was important for him to move on because everyone deserves love.

"Everybody deserves love. Of course, someone had to move on before anything happened, and someone is moving on now. I'm in a happy space as I get to know her closely and nicely. It feels different. It feels good. And I'm enjoying this place," Aamir told Etimes.

"I always tell her one thing: Thank you for making me realise I still have a heart. It just started now, almost five months. It's just the beginning of something," the actor added.

Aamir mentioned that he never wanted to give up on love and was always open to finding a partner after his divorce from Sanjeeda. "Sometimes you feel everything is normal, but then you don't know what is going on. Last year I was meeting a lot of people but the minute something happens, I run away. I started thinking, 'I don't think I'm capable enough (to love) anymore'. And then this happened. It all happened in a week's time. I was like – Why am I behaving like this? Why am I being a little more emotional than normal? Then I realised I like this girl," he shared.

For the unversed, Aamir Ali and Sanjeeda Shaikh were one of television's most loved couples. They first met on the sets of the show Kya Dil Mein Hai and reportedly, there was an instant spark. They dated for several years before tying the knot in 2012. In 2018, they welcomed a daughter through surrogacy. The couple separated two years later in 2020 and was granted divorce in 2021. Following the divorce proceedings, Sanjeeda won their daughter's custody. In 2022, Aamir revealed that he hadn't been allowed to meet their daughter for about ten months.

Rakesh Roshan Makes Rare Comment About Daughter Sunaina's Illness: 'Even When I Was Shot...'

Sunaina Roshan, who has battled cervical cancer, fatty liver disease and brain tuberculosis, often shares her transformation journey on Instagram now.

Rakesh Roshan's life hasn't been a bed of roses. In the documentary The Roshans, the veteran actor-turned-filmmaker shed light on how the lack of acting offers coupled with a financial strain took a toll on him and so, he forayed into production and then turned towards direction. On the personal front too, life hasn't been easy. Post the release of Kaho Naa Pyaar Hai, he was shot at in 2000. In 2019, he was diagnosed with throat cancer and emerged as a survivor.

In an exclusive chat with News18 Showsha, Rakesh says that he didn't let these setbacks deter him and that he draws strength from his daughter, Sunaina Roshan. "I learnt a lot about dealing with struggles from my daughter. She went through a lot of illnesses and surgeries right since her childhood. But she always been very brave and used to laugh at the face of hardships. She has always been a very happy person and that that taught me a lot. I believe that no matter what the situation is, we should be happy and content," he tells us.

Sunaina, who has battled cervical cancer, fatty liver disease and brain tuberculosis, often shares her transformation journey on Instagram now. According to Rakesh, Sunaina's approach to life helped him deal with both cancer and the shooting episode. "I took it very lightly even when I got shot. I used to joke with them even then so that they don't feel that life is going towards a darker space. I did the same thing when I got cancer. Hrithik (Roshan) and I were working out on the morning of the day I was going for my surgery," he states.

The Koi Mil Gaya filmmaker continued, "We worked out at the gym for an hour, then I got ready and went to the hospital. My surgery took place at one o'clock and at four, I was put in the room. And I was walking at five o'clock. I believe it's all in the mind.